शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in हिंदी दैनिक गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 209 | गुवाहाटी | शनिवार, 1 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने मैतेई धार्मिक स्थल पर की फायरिंग पेज 2
मुख्यमंत्री ने यूएसटीएम चांसलर महबूबुल हक की जेल अवधि बढ़ाए जाने की... पेज 3
पंजाब सरकार ने राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए तीन माह की समय सीमा तय की पेज 5
डब्ल्यूटीटी ने किए नियमों में बदलाव, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को... पेज 7

## असम बनेगा अग्रणी राज्य

### 5.18 लाख करोड़ निवेश के प्रस्ताव से सीएम उत्साहित

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि हाल ही में संपन्न व्यापार शिखर सम्मेलन में असम में कुल 5,18,205 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए हैं। मुख्यमंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह धनराशि असम के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 80 प्रतिशत हिस्से के बराबर है। उन्होंने कहा कि हम नए वित्तीय वर्ष में प्रस्तावों का विश्लेषण शुरू करेंगे और अगले छह महीने में उनके कार्यान्वयन के लिए रूपरेखा तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग सभी क्षेत्रों में निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। लेकिन फोकस वाले क्षेत्रों में विनिर्माण, हाइड्रोकार्बन, हरित ऊर्जा, चिकित्सा, शिक्षा और आतिथ्य शामिल हैं। शिखर सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति भी उत्साहवर्धक रही। जिसमें नौ साझेदार देशों के उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ-साथ यूरोप, एशिया, अफ्रीका तथा उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। यूरोपीय संघ, विश्व बैंक -शेष पृष्ठ दो पर

## असम का पहला एक्सप्रेसवे : गुवाहाटी से सिलचर तक यात्रा का समय घटकर मात्र चार घंटे रह जाएगा

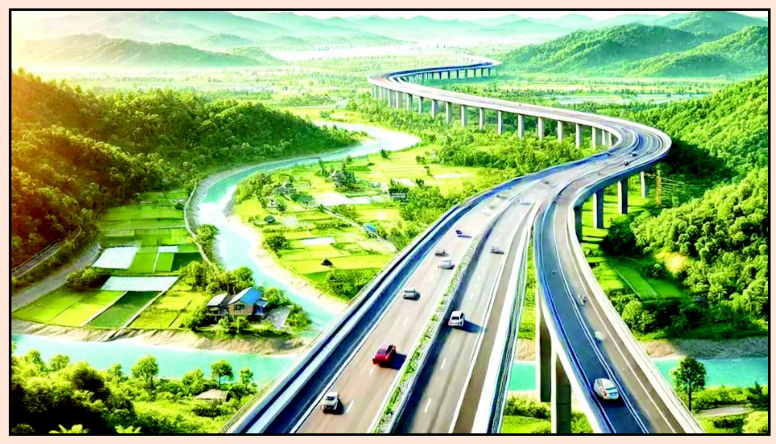

**गुवाहाटी।** असम सरकार ने अपना पहला एक्सप्रेसवे बनाने की योजना का अनावरण किया है, जो 25,000 करोड़ रुपए की परियोजना है जिसका उद्देश्य गुवाहाटी और सिलचर के बीच संपर्क बढ़ाना है। यह एक्सप्रेसवे मेघालय के उमियाम (बारापानी) से होकर गुजरेगा, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय घटकर सिर्फ चार घंटे रह जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस परियोजना को राज्य के बुनियादी ढांचे के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर बताया। उन्होंने बताया कि यह एक्सप्रेसवे ब्रह्मपुत्र और बराक घाटियों के बीच कनेक्टिविटी को काफी बढ़ाएगा, जिससे गुवाहाटी और सिलचर के बीच एक ही दिन में यात्रा सुनिश्चित होगी। उमियम, जो एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, के माध्यम से नियोजित मार्ग से असम और मेघालय के बीच व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। चार लेन वाली यह सड़क पंचग्राम तक औद्योगिक पहुंच को भी बेहतर बनाएगी, जो एक महत्वपूर्ण केंद्र है और यहां एक पेपर मिल और अन्य उद्योग हैं। यह एक्सप्रेसवे व्यापक बुनियादी ढांचा विकास अभियान का हिस्सा है। असम की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बेहतर बनाने के लिए कई बड़े पैमाने पर विकास कार्य चल रहे हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

## 2027 में अमेरिका में रोड शो करेगा असम : सीएम शर्मा

**गुवाहाटी।** मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को घोषणा की कि असम 2027 में संयुक्त राज्य अमेरिका में एक रोड शो आयोजित करेगा। यह गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 के सफल समापन के बाद आया है, जहां शिखर सम्मेलन के दौरान कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि असम की अपार संभावनाओं को देखने के बाद, अमेरिकी द्विपक्षीय एजेंसियों ने हमें अमेरिका में एक विशाल रोड शो आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया। हम इसे 2027 में आयोजित करने का प्रयास करेंगे, बशर्ते -शेष पृष्ठ दो पर

## बाहरी राज्यों में काम करने गए लोग अब असम में ही पाएंगे रोजगार : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी (हि.स.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि एडवांटेज असम सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस आयोजन के माध्यम से देश-विदेश के निवेशकों और उद्यमियों ने असम में निवेश की घोषणा की। कुल पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो अगले पांच वर्षों में असम में आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने शुक्रवार को एक होटल में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यदि 70 फीसदी समझौतों को भी कार्यान्वित कर लिया जाए, तो असम को अगले स्तर तक ले जाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि हर चार साल में एडवांटेज असम सम्मेलन आयोजित किया जाएगा और -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# उत्तराखंड में बर्फ का पहाड़ टूटा, 57 मजदूर फंसे : 32 बचाए गए, 25 की तलाश जारी

**देहरादून ( हि.स. )।** उत्तराखंड के चमोली जिले के बदरीनाथ से करीब 6 किमी. दूर माणा क्षेत्र में हुए भारी हिमस्खलन में फंसे 57 में से 32 श्रमिकों का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है जबकि 25 श्रमिकों की तलाश अभी भी जारी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी लगातार घटना पर नजर रखे हुए हैं। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रेस्क्यू अभियान की सीधी निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि एमआई-17 से रेस्क्यू के लिए वायु सेना को पत्र भेजा गया है। उन्होंने कहा कि सभी श्रमिकों को सुरक्षित निकालना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री धामी ने जानकारी दी कि मौसम खराब होने और विजीबिलिटी कम होने के कारण हेलीकॉप्टर के जरिए राहत और बचाव कार्यों में बाधा आ रही है। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना आर आईटीबीपी के 65 जवान घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्यों में जुटे हैं। उन्होंने बताया कि स्नो एक्सपर्ट्स की भी मदद ली जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुल 57 श्रमिकों में से अब तक 32 का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है और शेष 25 की तलाश के लिए युद्धस्तर राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि चमोली जिले के सीमावर्ती माणा गांव के समीप सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कराये जा रहे निर्माण कार्य के दौरान भारी हिमस्खलन के कारण ठेकेदार के 57 श्रमिक दब गए थे। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने आपदा कंट्रोल रूम में अधिकारियों की बैठक भी ली। इस दौरान जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी से राहत और बचाव कार्यों की जानकारी लेने के साथ ही मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव मुख्यमंत्री शैलश बगौली, आयुक्त गड़वाल मण्डल विनय शंकर पाण्डेय, सचिव आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन,

आईजी एसडीआरएफ रिद्धिम अग्रवाल व अन्य अधिकारियों के साथ श्रमिकों के सुरक्षित रेस्क्यू की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में यूएसडीएमए के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी-क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, वित्त नियंत्रक अभिषेक आनंद, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद ओबैदुल्लाह अंसारी, यूएलएमएमसी के निदेशक शांतनु सरकार आदि मौजूद थे। एनडीआरएफ की चार टीमें भी राहत और बचाव कार्यों के लिए रवाना कर दी गईं हैं। ये चार टीमें रुद्रप्रयाग, हरिद्वार और देहरादून से रवाना की गई हैं। आईजी एसडीआरएफ रिद्धिम अग्रवाल ने बताया कि एसडीआरएफ के जवान रवाना कर दिए गए हैं। इसके साथ ही ड्रोन की एक टीम तैयार की है, जिससे वहां के हालात की जानकारी मिल सके और उनकी लोकेशन की जानकारी मिल सके।

## केंद्रीय गृहमंत्री ने सीएम धामी से की बात

**नई दिल्ली।** उत्तराखंड के चमोली जिले में शुक्रवार को हिमस्खलन हुआ, जिसमें 57 लोग बर्फ के नीचे फंस गए। बाद में 16 लोगों को बचा लिया गया, हालांकि अभी भी 41 लापता हैं। हिमस्खलन के कारण प्रभावित क्षेत्र की सड़क भी बंद हो गई है, जिससे बचाव एवं राहत कार्य में बाधा आ रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहत और बचाव के लिए उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी से बात की। अमित शाह ने ग्लेशियर फटने की घटना पर सोशल साइट एक्स पर लिखा कि उत्तराखंड के चमोली में ग्लेशियर फटने के संदर्भ में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, डीजी आईटीबीपी और डीजी एनडीआरएफ से बात की। हादसे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने लिखा कि स्थानीय प्रशासन बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से लगा हुआ है। एनडीआरएफ की दो टीमें भी जल्द ही घटना स्थल पर पहुंच रही हैं। बता दें कि यह घटना माणा गांव के पास घटी। फंसे हुए लोग निर्माण मजदूर हैं। आईटीबीपी और सेना बचाव अभियान में लगी हुई है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ घटनास्थल पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

# संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने मैतेई धार्मिक स्थल पर की फायरिंग

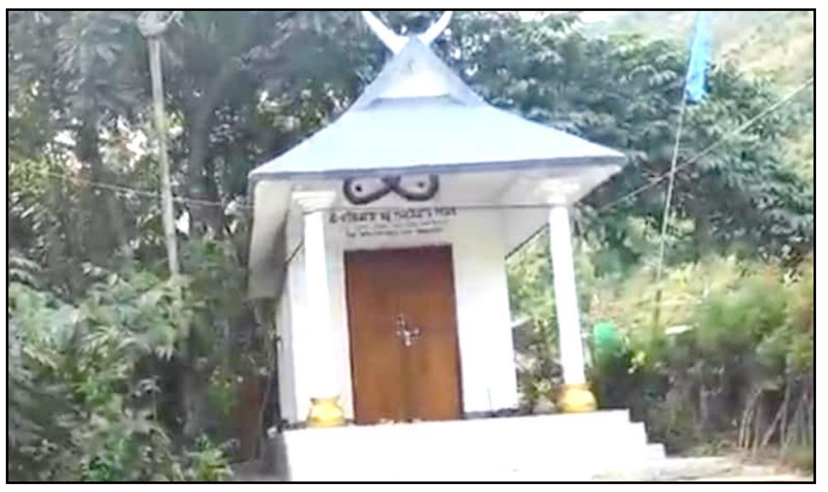

**इंफाल ( हि.स. )।** इंफाल ईस्ट में एक पहाड़ी की चोटी पर मौजूद उग्रवादियों ने कोंगबा मारू लाइफाम (मंदिर) पर कई राउंड गोलियां चलाईं, जिससे वहां पुजारी और श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया। शुक्रवार को इंफाल ईस्ट में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने कोंगबा मारू लाइफाम (मंदिर) को निशाना बनाकर गोलीबारी की। यह मंदिर मैतेई समुदाय का है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9:25 बजे पहाड़ी की चोटी पर मौजूद उग्रवादियों ने मंदिर पर कई राउंड गोलियां चलाईं, जहां श्रद्धालु और पुजारी पारंपरिक अनुष्ठान कर रहे थे। इस फायरिंग में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इस हमले के बाद इंफाल ईस्ट के परिधीय इलाकों में दहशत का माहौल है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों ने सात राउंड फायरिंग की गई है। इसके बाद मंदिर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। राज्यपाल की इस पहल के बीच मंदिर पर फायरिंग की घटना से स्थानीय लोग चिंतित हैं। इस घटना के बाद आसपास के कई गांवों के लोगों में आक्रोश है। राज्य में शांति के बहाली के लिए राज्यपाल अजय कुमार भल्ला की लोगों से अपनेअवैध व लूटे गए हथियारों को सरेंडर करने की अपील की गई है। इसके जवाब में मैतेई समूह अरम्बाई टेंगोल ने 246 हथियार जिला प्रशासन को सौंप दिए हैं। स्थानीय निवासियों ने राज्यपाल भल्ला से इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। इन लोगों ने प्रशासन से आसपास की पहाड़ियों पर स्थित उग्रवादियों के बंकरों को हटाने की मांग की है। इनका दावा है कि यह बंकर निचले इलाकों के समुदायों के लिए खतरा हैं। वहीं मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बल व्यापक अभियान चला रहे हैं। इस अभियान के दौरान चुराचांदपुर जिले के चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के सांगपी और पियर्सनमुम गांवों तथा चुराचांदपुर वन क्षेत्र से भारी मात्रा में हथियार और सुरक्षा उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बरामद सामग्री में एक एक्स-कैलिबर बंदूक, एक एक्स-कैलिबर के साथ एक खाली मैगजीन, एक देशी मोर्टार (पंपी), चार छोटे आकार के मोर्टार राउंड, एक मध्यम आकार का मोर्टार राउंड, दो वायरलेस सेट (बाओफेंग निर्मित), दो बुलेटप्रूफ प्लेट, आठ चेस्ट पोस्ट/वेस्ट, एक टैक्टिकल हेलमेट और पांच राउंड 5.56 मिमी गोला-बारूद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने लूटे गए या अवैध हथियारों के सरेंडर करने की समयसीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है, लेकिन कूकी बहुल इलाकों से हथियारों को सरेंडर नहीं किया जा रहा है। इसी बीच शुक्रवार को इंफाल ईस्ट में एक मंदिर पर गोलीबारी की घटना से फिर तनाव बढ़ गया है, लेकिन सुरक्षा बलों का अभियान जारी है। एक अन्य अभियान के तहत मणिपुर पुलिस ने लामसांग क्षेत्र से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) संगठन के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। इस पर आम जनता से जबरन वसूली का आरोप है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मयांगलंबम प्रेमकुमार सिंह (27) उर्फ मनाओ, निवासी काचिखुल मामंग लाइकाई, इंफाल वेस्ट जिला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन, एक ब्राउन वॉलेट, जिसमें 240 रुपए नकद, आधार कार्ड और एक दोपहिया वाहन जब्त किया है।

## सीएम फडणवीस को पाकिस्तानी फोन से मिली हमले की धमकी

**मुंबई ( हि.स. )।** मुंबई पुलिस के व्हाट्सएप पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पाकिस्तानी फोन से उन पर हमला किए जाने और मुख्यमंत्री सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। वरली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करके धमकी देने वाले की छानबीन की जा रही है। मुंबई पुलिस ने समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री की सुरक्षा बढ़ा दी है। मुंबई पुलिस सूत्रों के अनुसार मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप पर खुद को मलिक शाहबाज हुमायू राजा देव बताते हुए पाकिस्तानी नंबर से मुख्यमंत्री पर धमकी का मैसेज बुधवार को मिला था। मुंबई पुलिस ने इस धमकी भरे मैसेज की अधिकृत जानकारी मीडिया को नहीं दी है, लेकिन इस मैसेज की छानबीन गोपनीय तरीके से की जा रही है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि अभी तक धमकी भरा मैसेज भेजने वाले का पता नहीं चल सका है, लेकिन मुख्यमंत्री सचिवालय और मुख्यमंत्री की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

# चैंपियंस ट्रॉफी के बीच पाकिस्तान में बम धमाका, पांच की मौत

## *खिलाड़ियों की सुरक्षा पर उठे सवाल*

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हो रहा है। इसी बीच शुक्रवार को हुए भीषण बम धमाके ने देश को दहलाकर रख दिया है। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित एक मदरसे में विस्फोट होने से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए। इस धमाके ने क्रिकेट खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है। पाकिस्तान में हाल ही में हुए इस धमाके के बाद अब यह सवाल उठ रहे हैं कि जो खिलाड़ी इस समय पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के मैच खेलने आए हैं, उनकी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा रही है। इससे पहले भी पाकिस्तान में खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ चुके थे, और अब इस धमाके ने खतरे को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान की पुलिस को इस पर विशेष ध्यान देना होगा ताकि भविष्य में किसी होटल या ऐसे स्थानों पर बम जैसी कोई घटना न हो, जहां कई अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ठहरे हुए हैं। खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अब पाकिस्तान की प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि वे बिना किसी खतरे के अपने मैच खेल सकें और टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकें। बता दें कि, मुख्य सचिव शहाब अली शाह ने बताया कि *दारुल उलूम हक्कानिया* नामक मदरसे में यह विस्फोट हुआ है, जिसमें जमीयत उलेमा इस्लाम (सामी समूह) के प्रमुख और नौशेरा जिले के अकोरा खट्टक स्थित मदरसा-ए-हक्कानिया की देखरेख करने वाले हमीदुल हक हक्कानी की मौत हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जुल्फिकार हमीद ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि इस हमले को आत्मघाती बम हमलावर के जरिए अंजाम दिया गया और हमीदुल हक ही निशाने पर थे। उन्होंने बताया कि हमने हमीदुल हक को छह सुरक्षा गार्ड मुहैया कराए हुए थे। नौशेरा जिले के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) अब्दुर रशीद ने बताया कि मदरसे में जुमे की नमाज अदा करने के दौरान यह विस्फोट हुआ। बचाव दल ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। नौशेरा और पेशावर दोनों अस्पतालों में आपात स्थिति घोषित कर दी गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और राज्यपाल फैसल करीम कुंदी ने इस आत्मघाती हमले की निंदा की है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेताओं ने लोगों से घायलों के लिए रक्तदान करने की अपील की है।

# सनातन धर्म में निहित है भारत का आधार : उपराष्ट्रपति

**कोलकाता ( हि.स. )।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कोलकाता के साइंस सिटी में आयोजित गौड़ीय मिशन के संस्थापक आचार्य श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद की 150वीं जयंती समारोह के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने भारत की आध्यात्मिक चेतना को उसकी दीर्घकालिक सभ्यता का मूल कारण बताया और कहा कि यह चेतना सदियों से अटूट बनी हुई है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गौड़ीय मिशन ने सनातन धर्म को विश्व में प्रेम, शांति और सौहार्द का मार्ग बनाने का कार्य किया है। उन्होंने प्रभुपाद को भारतीय आध्यात्मिक चिंतन को पश्चिमी देशों में लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाने वाला व्यक्तित्व बताया। धनखड़ ने कहा कि प्रभुपाद ने सुभाषचंद्र बोस, मदन मोहन मालवीय जैसे महान भारतीय नेताओं को भी प्रेरित किया था। उन्होंने समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव सहित कई सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष किया। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि आचार्य श्रील ने आध्यात्मिक साहित्य के प्रचार के लिए प्रिंटिंग प्रेस का उपयोग किया, जिससे भारतीय दर्शन को कई भाषाओं में प्रकाशित कर विश्वभर में उपलब्ध कराया। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने सभी से आचार्य प्रभुपाद

# देश की विकास यात्रा में बंजारा समाज को मुख्यधारा में शामिल किए जाने की जरूरत : ओम बिरला

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** देश की परंपरा और प्रकृति की रक्षा में बंजारा समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि अब समय आ गया है जब उनकी आवाज सुनी जाएगी और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। बंजारा समाज हमेशा वनों के संरक्षण में सबसे आगे रहता है और आज इस समाज को देश की विकास यात्रा में मुख्यधारा में लाने की जरूरत है। बिरला ने यह टिप्पणी नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में संत सेवालाल महाराज की 286वीं जयंती और रूप सिंह महाराज की पुण्यतिथि पर बंजारा समाज के लोगों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि बंजारा समाज के पूज्य संत सेवालाल महाराज का जीवन ज्ञान, तपस्या, त्याग और मानवता की सेवा का पर्याय था और रूप सिंह महाराज वीरता एवं न्याय के प्रतीक थे। बिरला ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को इन संतों के पदचिह्नों पर चलते हुए एक बेहतर समाज का निर्माण करना चाहिए। बिरला ने बंजारा समाज द्वारा कई चुनौतियों का सामना किए जाने के बावजूद समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण भाव की सराहना की।

# घुसपैठियों के खिलाफ लें एक्शन... शाह का दिल्ली पुलिस को निर्देश

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को भारत में प्रवेश कराने में मदद करने वाले नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए हुई बैठक की अमित शाह ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने साफ कहा कि लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले सब-डिवीजनों और पुलिस स्टेशनों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अमित शाह ने कहा कि शहर में अंतरराज्यीय गिरोहों को बेरहमी से खत्म करना दिल्ली पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के मामलों में *ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक* कार्रवाई की जानी चाहिए और ऐसे मादक पदार्थों के नेटवर्क को खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने बैठक में कहा कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को देश में घुसने, उनके दस्तावेज बनवाने और यहां रहने में मदद करने वाले पूरे नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अवैध घुसपैठियों का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है और इससे सख्ती से निपटा जाना चाहिए। उनकी पहचान कर उन्हें वापस भेजा जाना चाहिए। बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद, दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। 26 साल से अधिक के अंतराल के बाद इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का जिक्र करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दिल्ली में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उम्मीद के मुताबिक विकसित और सुरक्षित राजधानी के लिए दोगुनी गति से काम करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण से जुड़े मामलों और 2020 के दंगों के मामलों के त्वरित निपटारे के लिए दिल्ली पुलिस की अनुमति की आवश्यकता नहीं होगी। शाह ने कहा कि दिल्ली सरकार को विशेष अभियोजकों की नियुक्ति करनी चाहिए ताकि इन मामलों का जल्द निपटारा किया जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस को जल्द ही अतिरिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए।

## मार्घेरिटा के लिडू में कोयला श्रमिक का शव बरामद

**तिनसुकिया ( हिंस )।** मार्घेरिटा सबडिवीजन के लिडू के तिराप कोयलरी में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ। युवक का नाम कांछा बताया जा रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, युवक मेघालय का रहने वाला था और लंबे समय से कोयले के अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ था। लिडू के तिराप कोलियरी को नशीले पदार्थों के कारोबार और गांजा तस्करी का अड्डा माना जाता है, जहां कई वर्षों से कुछ युवक नशे का सेवन और उसकी तस्करी करते आ रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन की चुप्पी सवाल खड़े कर रही है।

# *पृष्ठ एक का शेष*

## *असम बनेगा अग्रणी...*

और एशियाई विकास बैंक ने भी असम में रुचि दिखाई है। एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 25 और 26 फरवरी को राज्य में आयोजित किया गया। शर्मा ने कहा कि इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भूमि उपलब्ध कराना और प्रोत्साहन देना बड़ी चुनौतियां होंगी। क्योंकि सरकारी जमीन सीमित है और कोई भी यहां आकर निजी मालिकों से जमीन खरीदकर अपना उद्यम स्थापित नहीं करेगा। एमओयू पर हस्ताक्षर करना एक शुरुआत है और हम इसका रास्ता निकाल लेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के बिना औद्योगिक विकास नहीं हो सकता है, लेकिन हम रास्ता तय करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र ने उद्योग क्षेत्र को पहले ही विभिन्न प्रोत्साहनों की पेशकश की है। बिजली की कोई समस्या नहीं है क्योंकि हम इसे पावर ग्रिड से खरीद सकते हैं। शर्मा ने कहा कि भूमि, प्रोत्साहन और कुशल कार्यबल तैयार करना कुछ ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका हम पूर्वानुमान लगाते हैं। हम प्रस्तावों को वर्गीकृत करने की योजना बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता कार्यबल तैयार करना तथा शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए समझौता ज्ञापनों को क्रियान्वयन के लिए आगे बढ़ाना होगी। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, जिसका मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्योगपतियों से राज्य में निवेश करने का आह्वान है। शर्मा ने कहा कि आमतौर पर प्रधानमंत्री किसी खास राज्य के लिए काम नहीं करते, लेकिन उन्होंने असम के लिए काम किया है। शर्मा ने कहा कि रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के अलावा यह संदेश कि *राज्य अब स्थिर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण है* ने भी शिखर सम्मेलन को कामयाब बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कई उद्योगपति स्वयं ही यहां आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कई युवा *राज्य के राजदूत* रहे हैं और उन्होंने राज्य में व्याप्त शांति और अमन-चैन के संदेश तथा इसके असीमित अवसरों को देश के बाकी हिस्सों और विदेशों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

## *असम का पहला ...*

जिसमें बंगाईगांव रिफाइनरी विस्तार-क्षमता में पांच मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि होगी। नामरूप उर्वरक संयंत्र विस्तार-कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए 10,000 करोड़ रुपए का निवेश। गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना-शहरी भीड़भाड़ को कम करने का लक्ष्य। काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर-परिवहन को आसान बनाते हुए वन्यजीव संरक्षण सुनिश्चित करना। नुमलीगढ़-गोहपुर सड़क सुरंग और ब्रह्मपुत्र पुल-क्षेत्रीय संपर्क में सुधार और नई सैटेलाइट टाउनशिप-जगीरोड और पलासबारी में 10,000 करोड़ रुपए की लागत की दो परियोजना शामिल हैं। एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन में 1.89 लाख करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद है। पहले दिन 164 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे निवेशकों की गहरी दिलचस्पी का पता चलता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पूर्वोत्तर में परिवहन नेटवर्क को बढ़ाने के लिए नई सड़क और रेलवे परियोजनाओं सहित 55,179 करोड़ रुपए के बुनियादी ढांचा पैकेज की भी घोषणा की। रेलवे और जलमार्ग संपर्क में सुधारअसम में रेल संपर्क को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके तहत गुवाहाटी को सिलचर और अगरतला से जोड़ने के लिए दो नई इंटरसिटी ट्रेनें शुरू की गई हैं। 2014 से रेलवे नेटवर्क में 1,824 किलोमीटर का विस्तार हुआ है और माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए नए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल विकसित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों का उपयोग माल और यात्री परिवहन के लिए किया जाएगा, जिससे नए व्यापार अवसर पैदा होंगे और आर्थिक विकास में तेजी आएगी।

## *2027 में अमेरिका...*

भारत सरकार इसकी अनुमति दे। शर्मा ने दो दिवसीय आयोजन की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि कई देशों ने असम में निवेश करने में गहरी रुचि दिखाई है। शर्मा ने कहा कि शिखर सम्मेलन से पहले हमने जापान, मलेशिया, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, थाईलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त अरब अमीरात में 240 बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) बैठकें और 180 अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बैठकें आयोजित कीं। शिखर सम्मेलन में 1100 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों ने भाग लिया। शर्मा ने इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विदेश मंत्रालय को श्रेय दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी 2025 में विदेश मंत्रालय ने राज्य के अवसरों को उजागर करने के लिए प्रमुख देशों में असम सप्ताह का आयोजन किया। इसलिए यह केंद्र सरकार की एक बड़ी भागीदारी थी, जिसे हमने पहले कभी नहीं देखा। शर्मा के अनुसार, इस शिखर सम्मेलन में पूरे भारत से कुल 8000 उद्यमियों ने भाग लिया, जिससे यह असम में आयोजित अब तक की सबसे बड़ी व्यावसायिक प्रदर्शनी बन गई। शर्मा ने कहा कि शिखर सम्मेलन में राज्य की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए विषयगत रूप से आयोजित 200 प्रदर्शनियां शामिल की गईं। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिखर सम्मेलन में कुल नौ देशों ने भागीदार देशों के रूप में भाग लिया। शर्मा ने कहा कि हमारे साझेदार देश ऑस्ट्रेलिया ने शिखर सम्मेलन से पहले यात्रा प्रतिबंध हटाकर बहुत बड़ी सद्भावना दिखाई। इसके अलावा, भूटान, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी हमारे साझेदार देश थे। यूरोपीय संघ ने भी टिकाऊ उत्पाद बनाने के लिए असम के स्वयं सहायता समूहों के साथ सहयोग करने में गहरी रुचि दिखाई। एडवांटेज असम 2.0 ने भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों कंपनियों से बहुत सारे निवेश आकर्षित किए हैं, कई समझौतों और एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिससे करोड़ों रुपए की परियोजनाएं सामने आई हैं।

## *बाहरी राज्यों में ...*

2030 तक असम को एक औद्योगिक राज्य बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि असम हरित अर्थव्यवस्था (ग्रीन इकानॉमी) का हब बनेगा और अगले पांच वर्षों में असम की सकल घरेलू उत्पाद दोगुनी हो जाएगी। इससे दो लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा, जबकि गुवाहाटी को एक मेडिकल हब के रूप में विकसित किया जाएगा। सम्मेलन में विभिन्न कंपनियों ने असम में निवेश की घोषणाएं कीं। रिलायंस असम में सीबीजी प्लांट स्थापित करेगा और 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा, जिसमें डिजिटल और एआई क्षेत्र के साथ-साथ क्लीन एनर्जी उत्पादन शामिल होगा। नामरूप में 12,000 करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की गई है, जबकि केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने 4,800 करोड़ रुपए और टाटा पावर ने 30,000 करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया। टाटा ग्रुप गुवाहाटी में ताज होटल भी बनाएगा। ओएनजीसी 15,000 करोड़ रुपए, ऑयल इंडिया 20,000 करोड़ रुपए और वेदांता ग्रुप 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। कुल मिलाकर, असम में 5,18,295 करोड़ रुपए के निवेश की संभावनाएं हैं, जो असम की वर्तमान जीडीपी का 80 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इन निवेशों से असम में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर खुलेंगे। विशेष रूप से वे लोग, जो कम वेतन पर बाहरी राज्यों में काम करने जाते थे, अब असम में ही रोजगार पा सकेंगे।

**Form- IV**

Statement about ownership and other particulars about **VIKSIT BHARAT SAMACHAR** (Guwahati).

1. Place of Publication : Guwahati
2. Periodicity of its Publication : Daily
3. Printer's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
4. Publisher's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
5. Editor's Name : Rakesh Sharma
   Nationality : Indian
   Address : Flat No. C-3, Jib Nihar Apartment, Bye Lane-5, Tarun Nagar, ABC, Guwahati-781005, Assam
6. Names & Address of Individuals who own the newspaper & Partners or Shareholders holding more than one percent of the total capital :

**Ajay Tyagi**
Flat No.111, Ground Floor, Vikaspuri, New Delhi-110018

I, Rakesh Sharma hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

**Sd/- Rakesh Sharma**
Signature of Publisher

Date : 28/02/2025

# मुख्यमंत्री ने यूएसटीएम चांसलर महबूबुल हक की जेल अवधि बढ़ाए जाने की आशंका जताई

**गुवाहाटी ( हिंस )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मेघालय (यूएसटीएम) के चांसलर महबूबुल हक की जेल अवधि बढ़ाए जाने की आशंका जताई है। शुक्रवार को मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पुष्टि की कि हक को काफी समय तक जेल में रहना पड़ सकता है। फिलहाल, हक कथित परीक्षा धोखाधड़ी से जुड़े मामले में पुलिस हिरासत में है। उन्हें आगे की पूछताछ के लिए आज गुवाहाटी ले जाया गया है। उल्लेखनीय है कि अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (एसीजेएम) अदालत के निर्देश के अनुसार, हक को चार दिन की पुलिस रिमांड पर रखा गया है। पथारकांदी थाना (केस नंबर 55) में दर्ज मामले में भारतीय दंड संहिता और लोक प्रशासन निषेध अधिनियम की कई धाराएं उनके विरुद्ध लगाई गई हैं। हक के साथ-साथ यूएसटीएम के कुलपति, सेंट्रल पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल हीरामनी सैकिया और शिक्षक विजय दत्ता, रेजाक अली, नुमान अहमद और इमदादुर रहमान को भी चार दिनों के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है। हालांकि, एक अन्य संबंधित मामले (केस नंबर 54) में अदालत ने जमानत और रिमांड याचिकाओं को खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पहले यूएसटीएम से जुड़ी कथित परीक्षा धोखाधड़ी के विवरण का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि असम पुलिस मामले की जांच कर रही है और हम सभी संबंधित पक्षों से सहयोग का आग्रह करते हैं।

## हेरोइन समेत महिला तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के फैंसी बाजार पुलिस चौकी की टीम ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल एक महिला तस्कर को हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि पान बाजार थाना अंतर्गत फैंसी बाजार पुलिस चौकी की टीम ने उषामाटी इलाके में अभियान चला कर मामूनी खातून (21, मोरियानी) को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला तस्कर के पास से पुलिस 45 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी में भरकर रख गए 86.96 ग्राम हेरोइन के अलावा एक मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस की धारा के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार महिला तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

## असम को आत्मनिर्भर बनाने में स्थानीय उद्यमियों की भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी ( हिंस )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर असम बनाने में स्थानीय उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने स्थानीय उद्यमियों को इसके लिए शुभकामनाएं भी दी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा एडवांटेज असम के आयोजन स्थल पर लगी प्रदर्शनी का निरीक्षण करने पहुंचे थे। यहां मुख्यमंत्री ने कहा कि एड़वांटेज असम 2.0 सम्मेलन के दौरान कई लोगों ने अपने कार्यों के माध्यम से विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। आत्मनिर्भर असम के निर्माण में स्थानीय उद्यमियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खानापाड़ा में आयोजित प्रदर्शनी में स्थानीय व्यवसायों का दौरा करने में उन्होंने एक घंटे से अधिक समय बिताया। उन्होंने इस अनुभव को अत्यंत हर्षजनक बताते हुए कहा कि स्थानीय उद्यमियों की प्रगति को देखकर वे अभिभूत हुए और उन्हें अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

## मार्घेरिटा में उल्फा (स्व.) कैडर ने किया आत्मसमर्पण

**तिनसुकिया ( हिंस )।** मार्घेरिटा में एक के बाद एक प्रतिबंधित संगठन उल्फा (स्वा) कैडर का आत्मसमर्पण जारी है। शुक्रवार को पुलिस ने बताया कि उल्फा (स्व.) के कैडर उज्ज्वल असम उर्फ अरुंजय बोरा के आत्मसमर्पण के बाद अब एक और कैडर ने आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले कैडर का नाम चानेका मुंडा उर्फ राजा मुंडा बताया गया है। उसने पेंगेरी स्थित सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया। जानकारी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले कैडर ने एक ग्रेनेड भी सेना को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडर का घर बोरडुमसा थाना क्षेत्र के तालपथार में स्थित है। सेना ने कैडर को मार्घेरिटा पुलिस को सौंप दिया है। इधर, तिनसुकिया जिला पुलिस प्रशासन ने बताया कि दोनों आत्मसमर्पित कैडरों से पूछताछ जारी है। पूरी जांच के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। बताया जा रहा है कि उल्फा (स्व.) से मोहभंग होने के कारण दोनों कैडरों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। उज्ज्वल असम उर्फ अरुंजय बोरा के परिजनों ने मीडिया को बताया कि उल्फा (स्व.) के शिविरों में कैडरों को भारी खाद्य संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, अरुंजय बोरा के आत्मसमर्पण के बाद भी पुलिस लगातार उससे पूछताछ में जुटी है, जिससे परिवार के सदस्य असंतुष्ट हैं। अरुंजय बोरा की मां ने कहा कि लंबे समय बाद उसे देखकर परिवार को खुशी हुई है।

## गुवाहाटी में राज्यपाल ने किया *देवदूतोर सान्निध्य* पुस्तक का विमोचन

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज गुवाहाटी के डॉ. बाणीकांत काकति सभागार में आयोजित एक समारोह में *देवदूतोर सान्निध्य* नामक पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक गोवा के राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई द्वारा मूल रूप से लिखित अंग्रेजी कहानी संग्रह *ऑन द साइड आफ एंजिल्स* का असमिया अनुवाद है, जिसका अनुवाद बर्नाली डेका बरठाकुर ने किया है। समारोह में राज्यपाल आचार्य ने पुस्तकों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वे *जीवन की सर्वोत्तम संगिनी* होती हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ना दुनिया के श्रेष्ठतम ज्ञान का अनुभव करने का द्वार है। पढ़ने से बड़ी कोई खुशी नहीं होती। उन्होंने अच्छे ग्रंथों के मानव जीवन को संवारने में योगदान को भी रेखांकित किया। राज्यपाल आचार्य ने गोवा के राज्यपाल पिल्लई की साहित्यिक प्रतिभा की सराहना की और उन्हें केवल एक विचारक और विद्वान ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और सशक्त साहित्यकार बताया। उन्होंने उल्लेख किया कि पिल्लई ने 250 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें राजनीति, कानून, संस्कृति, इतिहास, समाज और अर्थशास्त्र जैसे विविध विषयों पर गहन ज्ञान समाहित है। उन्होंने यह भी बताया कि पिल्लई ने संस्कृत ग्रंथों में वर्णित *वामन वृक्ष कला* (बोनसाई) के भारतीय मूल का उल्लेख किया है। इसके अलावा, उनके नेतृत्व में गोवा राजभवन में आचार्य सुश्रुत, शल्य चिकित्सा के जनक, और महर्षि चरक, आयुर्वेद के जनक की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। यह पहल भारतीय सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विरासत को संरक्षित करने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। राज्यपाल ने कहा कि पिल्लई की साहित्यिक रचनाएं केवल लेखन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाजोत्थान में भी योगदान देती हैं। उनकी रचनाएं राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक न्याय पर चिंतन को प्रेरित करती हैं। राज्यपाल आचार्य ने विश्वास व्यक्त किया कि *देवदूतोर सान्निध्य* पुस्तक असमिया साहित्य के लिए एक बहुमूल्य उपहार साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से असमिया पाठक न केवल पिल्लई के विचारों से परिचित होंगे, बल्कि उनके अनुभवों से भी महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर पद्मश्री से सम्मानित लेखक अरूप कुमार दत्ता सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## *कार्बी जनजाति के जनक* सेमसन्सिंग इंगती को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने समाज के लिए अपार योगदान देने वाले प्रसिद्ध व्यक्तित्व सेमसन्सिंग इंगती को शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंगती की दूरदृष्टि और गहरी सोच ने कार्बी समाज को एकता के सूत्र में बांधने के साथ-साथ आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने समाज सुधार और आर्थिक उन्नति के लिए कई अहम कार्य किए, जिससे कार्बी जनजातीय लोगों को संगठित होकर प्रगति करने का अवसर मिला।

## चोरी के 70 मोबाइल समेत चोर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी की पान बाजार पुलिस ने मोबाइल चोरी मामले में एक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि थाना क्षेत्र इलाके के लखटोकिया इलाके में स्थित संजू इलेक्ट्रॉनिक में चलाए गए अभियान के दौरान 70 चोरी के मोबाइल सेमेत विक्रम सहनी (28, खगड़िया, बिहार) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से 70 चोरी के मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

## चोरी मामले में कबाड़ी की दुकान का मालिक गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी की पलटन बाजार पुलिस ने चोरी का समान समेत एक कबाड़ी की दुकान के मालिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के एके आजाद रोड और रिहाबारी इलाके में चलाया गए अभियान के दौरान चोरी के सामान समेत कबाड़ी की दुकान के मालिक मोहम्मद असमत अली (20) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपित की कबाड़ के दुकान से 36 किलो कॉपर वायर, नए लोहा का सरिया 220 किलो, ब्रॉश मेटल पाइप 670 किलो, आयरन कटर मशीन 5, नगद 11,400 रुपए के अलावा एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित से सघन पूछताछ कर रही है।

## असम में अब *फेब्स* का दौर, न कि *याबा टैब्स* का : डॉ. शर्मा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम में अब *फेब्स* (सेमिकंडर फेब्रिकेशन फ्लांट) का दौर है न कि *याबा टैब्स* (नशीला टैबलेट्स) का। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में अब नशीली दवाओं का नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव का दौर है। उन्होंने बताया कि कछार पुलिस और बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर के पास लेवरपुटा, कटिगोरा में एक बड़े ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में 10,000 याबा टैबलेट जब्त किए हैं, जिनकी कीमत करीब तीन करोड़ रुपए आंकी गई है। मुख्यमंत्री ने इस सफलता के लिए पुलिस और बीएसएफ को बधाई देते हुए कहा कि असम में नशे को पनपने नहीं दिया जाएगा।

## बाल कैंसर रोगियों के लिए शुष्क भोजन दान कार्यक्रम आयोजित

**गुवाहाटी ( विभास )।** लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड ने *एक जिला एक गतिविधि* पहल के तहत विश्व एनजीओ दिवस के अवसर पर बाल कैंसर रोगियों के लिए शुष्क भोजन दान अभियान आयोजित किया। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड की जनसंपर्क अधिकारी जया पारीक ने बताया कि यह आयोजन 27 फरवरी 2025 को गुरुवार को शाम 5बजे से दीपशिखा प्रांगण शिशु आश्रय स्थल, सिक्स माइल, गुवाहाटी में किया गया और बाल कैंसर रोगियों के लिए शुष्क भोजन सामग्री दान की। दान की गई वस्तुओं में सरसों का तेल 32 लीटर, रिफाइंड तेल 30 लीटर, मसूर दाल 30 किलो, मूंग दाल 30 किलो, गोटा चना 30 किलो, चॉकलेट केक 02 किलो और फ्रूटी ड्रिंक्स 40 नग शामिल थीं। इस आयोजन की संयोजिका लायन सलोनी भजनका ने कहा कि हमें बाल कैंसर रोगियों की मदद करने का अवसर मिला और हमें गर्व है कि हम उनकी जरूरतों को पूरा कर सके और 50 से 60 लोगों का पूरे महीने का राशन दीपशिखा एनजीओ को प्रदान कर सके। उपस्थित सदस्यों में गोल्ड क्लब के अध्यक्ष लायन संदीप भजनका, लायन नवीन अग्रवाल, लायन पिंकी गुप्ता, लायन इंदु भजनका, लायन रैना भजनका, लायन पूजा अग्रवाल (भूत), लायन ममता सर्राफ, लायन पूजा अग्रवाल, लायन गोमती अग्रवाल, लायन राकेश अग्रवाल, लायन दीपक भजनका थे। गोल्ड क्लब के सचिव लायन राहुल तुलस्यान ने आए हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

## होजाई जिला आधार निरीक्षण कमेटी की बैठक

**होजाई ( विभास )।** होजाई जिला में आधार निरीक्षण के लिये गठित आधार निरीक्षण कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बृहस्पतिवार को जिला आयुक्त कार्यालय के वीडियो कांफ्रेसिंग हाल में आयोजित हुई। जिला आयुक्त विद्युत विकास भागवती की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में आधार के चल रहे कार्य पर चर्चा हुई, तत्पश्चात वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से गुवाहाटी स्थित आधार के अधिकारियों के साथ जिला में चल रहे आधार के कार्य की जानकारियों आपस में साझा की गई। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शुद्ध रूप से आधार के कार्य को अंजाम दें। आधार के कार्य हेतु विशेष रूप से प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। उत्त बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक सौराग गुप्ता, अतिरिक्त जिला आयुक्त बनी इनाम सादव, भारप्राप्त जिला जनसंयोग अधिकारी राखीश्री लेखारू, सहकारी आयुक्त डॉ. विभूति सिंदैक, स्वास्थय विभाग के संचालक डॉ. कमल गोगोई, जिला समाज कल्याण अधिकारी निलेश्वर राय, जिला प्रकल्प प्रर्यवेक्षक, आधार, एनआरसी के नादीर हुसैन हजारिका, डाक विभाग होजाई मंडल परिदर्शक नीलकांत मंडल, 1 पीपीबी मुख्य शाखा अधिकारी ननद्वीप सुथार इन्द्राणी चौधरी, सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

## रिहाबाड़ी में फर्स्टक्राई इंटेलीटॉट्स प्रीस्कूल की खुली नई शाखा

**गुवाहाटी।** महानगर के रिहाबाड़ी के मिलनपुर में शुक्रवार को फर्स्टक्राई इंटेलीटॉट्स प्रीस्कूल ने अपनी नई शाखा का शुभारंभ किया गया। रिहाबाड़ी के मिलनपुर स्थित इस नई शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि जीएमसी वार्ड नंबर 30 की पार्षद बिनीता दत्ता चौधरी ने संस्थापक रोहित शाह और दीप शिखा शाह की मौजूदगी में किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि यह प्री स्कूल प्रारंभिक बचपन की शिक्षा को फिर से परिभाषित कर रही है। समाजसेवी तथा जाने-माने व्यवसाय दीनदयाल शाह और डॉ. आरपी सोनी से प्रेरित और ऑस्ट्रेलिया में एक दशक से अधिक के अनुभव के साथ, यह प्रीस्कूल बच्चे की सीखने की यात्रा को एक आनंदमय और समृद्ध शुरुआत प्रदान करता है। इस अवसर पर श्रीमती दीप शिखा शाह ने कहा कि इंटेली-सी पाठ्यक्रम, एक शोध-समर्थित, खेल-आधारित दृष्टिकोण है, जो संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देता है। बच्चों को भविष्य की सफलता के लिए तैयार करता है। एक किफायती शुल्क संरचना के साथ, प्रीस्कूल माता-पिता के लिए उच्च कथित मूल्य सुनिश्चित करता है। उन्होंने आगे कहा कि परिसर में वातानुकूलित कक्षाएं, 24/7 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और बच्चों के अनुकूल बुनियादी ढांचा है, जो एक सुरक्षित और पोषण करने वाला वातावरण बनाता है। झूलों और स्लाइडों वाले बगीचे में बाहरी गतिविधियाँ शारीरिक विकास को बढ़ावा देती हैं। इसके अतिरिक्त, प्रोजेक्टर रूम के साथ टेक लर्निंग बच्चों को इंटरैक्टिव, मल्टीमीडिया-आधारित शिक्षा से परिचित कराता है, जिससे डिजिटल साक्षरता और रचनात्मकता बढ़ती है।

## गुवाहाटी में आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

**गुवाहाटी।** फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्मस्थल की पुण्य धरा पर शुक्रवार को सुबह 7-30 बजे असम के राजकीय अतिथि, अहिंसा तीर्थ प्रणेता, महान दिगंबर जैनाचार्य 108 श्री प्रमुख सागर महाराज ससंघ (चतुर्विधी संघ 13 पिच्छी) का मंगल प्रवेश हुआ। प्रचार प्रसार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि ससंघ का यह मंगल प्रवेश 2023 में पूर्वोत्तर की पुण्य धरा पर आगमन का गुवाहाटी समाज को अंतिम संबोधन व आशीर्वाद के लिए होगा। प्रचार प्रसार के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि गाजे-बाजे के साथ भगवान महावीर स्थल में आचार्य श्री ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर जगह-जगह श्रद्धालु भक्तों द्वारा आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती उतार कर उनके प्रति भक्ति प्रकट की गई। मालूम हो आचार्य श्री ससंघ शुक्रवार को सुबह 5-30 बजे दिसपुर दिगंबर जैन मंदिर से विहार होकर रेहाबाड़ी होते हुए फैंन्सी बजार स्थित श्री दिगंबर जैन(बड़ा) मंदिर पहुंचे। जहा ससंघ ने श्रीजी के दर्शन किए। मालूम हो की आचार्य श्री ससंघ का दो दिवसीय अल्पकालीन प्रवास गुवाहाटी के भगवान महावीर धर्मस्थल में रहेगा। यह जानकारी समाज के प्रचार प्रचार विभाग के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

## होजाई : नहीं रहे भागीरथी चौहान

**होजाई ( निसं )।** होजाई के पत्रकार राजकुमार चौहान के पिता व अवसर प्राप्त प्रधानाध्यापक भागीरथ चौहान (73) का मंगलवार की रात्रि में अपने निवास स्थान होजाई स्थित उत्तर विद्यानगर में निधन हो गया। उनके निधन के समाचार से उनके शुभचिंतकों व परिवार के जनों में शोक की लहर छा गई। वह मृदुभाषी, मिलनसार व हंसमुख स्वभाव के धनी थे। वह अपने पीछे धर्मपत्नी, चार पुत्र एक पुत्री सहीत भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

## शिवरात्रि के उपलक्ष्य पर नगांव के शिवालयों में उमड़ी भक्त की भीड़

**नगांव ( निसं )।** शिवरात्रि के उपलक्ष्य पर बुधवार को शहर के विभिन्न शिवालयों में भक्तो का दिनभर तांता लगा रहा। मंदिरो में आपार भीड़देखी गई। हैबरगांव थाना परिसर में स्थित शिव मंदिर प्रांगण में शिवरात्रि का पावन त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सर्वप्रथम सुबह-सुबह मंदिर के पुजारी पंडित विजेंद्र गिरी द्वारा शिव जी का विधि विधान एवं मंत्रोचार से अभिषेक एवं पूजा अर्चना की गई। सुबह से ही पूजा अर्चना करने हेतु भक्तों की लाइन लगी थी। हैबरगांव निवासियों ने शंकर भगवान की पूजा कर महाप्रसाद ग्रहण किया। दोपहर एक बजे से खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। शाम 5-30 बजे से भगवान भोलेनाथ के प्रसाद के रूप में ठंडाई का वितरण किया गया। सांय 6-30 बजे से विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत भजनों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें स्थानीय भजन गायक पवन शर्मा ने श्रीगणेश वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात पवन झवंर एवं अरुण नागरका ने संयुक्त रूप से भोलेनाथ के एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वही आमंत्रित कलाकारा गुनगुन बोरा ने भी भजनों की ऐसी झड़ी लगाई कि लोग झूमने पर मजबूर हो गए। नगांव के वरिष्ठ पत्रकार एवं गायक कलाकार अजित माहेश्वरी ने भी भजन प्रस्तुत कर सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन कार्यक्रम के समापन से पूर्व फागुन मास के मद्देनजर चंग एवं धमाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी कलाकारों ने राजस्थानी धमाल की प्रस्तुति देकर चंगों के कार्यक्रम का आगाज किया। इस अवसर पर पत्रकार रविंद्र शाह, विकास शर्मा, महावीर प्रसाद किल्ला, विक्की पोद्दार, अनिल शर्मा, ओम प्रकाश जाजोदिया, एवं कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संचालन समिति के अध्यक्ष जगदीश धूत, संजय रातुसरिया, जेपी अग्रवाल, हैबरगांव थाना प्रभारी के साथ सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ।

संपादकीय

# महाकुंभ के संदेश को समाज में उतारें

**प्रयागराज** में सनातनी आस्था के महापर्व महाकुंभ-2025 ने वैश्विक स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजन की नई ऊंचाईयों का कीर्तिमान बना दिया है। महाकुंभ में देश-दुनिया से जिस तरह आस्था का जनसैलाब उमड़कर पहुँचा, उसने भारतीय संस्कृति का परचम दुनिया भर में लहराया। कहना होगा कि योगी सरकार ने जिस प्रकार की व्यवस्थाएं महाकुंभ को सफल बनाने एवं श्रद्धालुओं की सहूलित के लिए की, उनके भी लोगों का उत्साह और आनंद बढ़ा। प्रयागराज में पवित्र स्नान का पुण्य लाभ लेकर जब श्रद्धालु अपने स्थान पर पहुँचते और विभिन्न माध्यमों से अपनी अनुभूति एवं महाकुंभ की व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते, तब अन्य लोग भी महाकुंभ के साक्षी बनने एवं पवित्र स्नान के लिए उत्साहित होते। यह पहली बार था, जब प्रतिदिन रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुँच रहे थे। महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के समापन के साथ जो आंकड़ा सामने आया है, उसके अनुसार- प्रयागराज महाकुंभ में 67 करोड़ से अधिक लोगों ने डुबकी लगाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ में जिस प्रकार इसे एकात्मता का महाकुंभ बताया था, उसकी अनुभूति देश-दुनिया ने की है। सबने एक साथ एक घाट पर एक संगम में स्नान किया। किसी भी प्रकार का भेदभाव कहीं दिखायी नहीं दिया। महाकुंभ के इस संदेश को हमें अपने सामाजिक चरित्र में इसी प्रकार उतार लेना चाहिए। कोई हमें कितना भी बाँटने की कोशिश करे, उन्हें एक ही आवाज सुनायी देनी चाहिए- हम सब हिन्दू एक हैं। महाकुंभ की सीख को अपने आचरण में उतारना ही सच्चे अर्थों में कुंभ स्नान है। बहरहाल, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना को छोड़कर बड़े पैमाने पर लोगों के पहुंचने से इस बड़ा स्वरूप मिला। यह एक सफल आयोजन रहा। भगदड़ के बाद हिन्दू विरोधियों ने जिस प्रकार से महाकुंभ को बदनाम करने का प्रयास किया और सरकारी प्रयासों को कमतर दिखाने की कोशिश की, उस सबको धता बताकर हिन्दू समाज ने अपने आस्था का प्रदर्शन किया और योगी सरकार पर भरोसा जताया। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार के प्रबंधन पर भरोसा करके ही अनेक प्रकार के नकारात्मक नैरेटिव को नजरअंदाज करके करोड़ों की संख्या में लोग वहाँ पहुँचे। कहना होगा कि आगे होने वाले कुंभ आयोजनों के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ी लकीर खींच दी है। यही वजह है कि प्रयागराज महाकुंभ के समापन से पहले ही महाराष्ट्र सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी थीं। इधर, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उज्जैन में होनेवाले महाकुंभ की तैयारियां प्रारंभ कर ही चुके हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नासिक कुंभ मेला 2027 को हाईटेक बनाने का संकल्प लिया है। हालांकि, सरकारों को यह बात भी ध्यान रखनी है कि कुंभ हमारी आस्था का समागम है, यह किसी प्रकार की प्रतिस्पर्द्धा नहीं है। इसलिए सब प्रकार की बातों का ध्यान करके ही योजना बनानी चाहिए। कुंभ हमारे लिए अपनी गौरवशाली परंपरा की दिव्य अनुभूति करने का प्रसंग होता है। इस विचार को प्राथमिकता में रखकर हम अपनी तैयारी करें। निःसंदेह, नासिक कुंभ भी हमें एक बार फिर आध्यात्मिकता के शिखर पर लेकर जाएगा।

महाकुंभ में देश–दुनिया से जिस तरह आस्था का जनसैलाब उमड़कर पहुँचा, उसने भारतीय संस्कृति का परचम दुनिया भर में लहराया। कहना होगा कि योगी सरकार ने जिस प्रकार की व्यवस्थाएं महाकुंभ को सफल बनाने एवं श्रद्धालुओं की सहूलित के लिए की, उनके भी लोगों का उत्साह और आनंद बढ़ा। प्रयागराज में पवित्र स्नान का पुण्य लाभ लेकर जब श्रद्धालु अपने स्थान पर पहुँचते और विभिन्न माध्यमों से अपनी अनुभूति एवं महाकुंभ की व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते, तब अन्य लोग भी महाकुंभ के साक्षी बनने एवं पवित्र स्नान के लिए उत्साहित होते। यह पहली बार था, जब प्रतिदिन रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुँच रहे थे। महाशिवरात्रि पर महाकुंभ के समापन के साथ जो आंकड़ा सामने आया है, उसके अनुसार– प्रयागराज महाकुंभ में 67 करोड़ से अधिक लोगों ने डुबकी लगाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ में जिस प्रकार इसे एकात्मता का महाकुंभ बताया था, उसकी अनुभूति देश–दुनिया ने की है। सबने एक साथ एक घाट पर एक संगम में स्नान किया। किसी भी प्रकार का भेदभाव कहीं दिखायी नहीं दिया। महाकुंभ के इस संदेश को हमें अपने सामाजिक चरित्र में इसी प्रकार उतार लेना चाहिए। कोई हमें कितना भी बाँटने की कोशिश करे, उन्हें एक ही आवाज सुनायी देनी चाहिए– हम सब हिन्दू एक हैं। महाकुंभ की सीख को अपने आचरण में उतारना ही सच्चे अर्थों में कुंभ स्नान है।

## मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम को बढ़ाता है और वज़न बढ़ाता है

# प्रोसेस्ड, फास्ट फूड के सेवन से पनपती स्वास्थ्य समस्याएँ

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही है, जैसे मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। क्योंकि यह मोटापे, खराब पोषण और अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न को बढ़ावा देता है, फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

**भारत** की खाद्य संस्कृति वैश्वीकरण, शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के परिणामस्वरूप बदल रही है, जो प्रमुख सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का कारण बन रही है। भारत में युवा पीढ़ी तेजी से फास्ट फूड का सेवन कर रही है, जिसके कारण कई स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा हो रही है, जैसे मोटापा, टाइप 2 मधुमेह और हृदय सम्बंधी विकार। फास्ट फूड में अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी, चीनी, सोडियम और खराब वसा होती है, जो खराब खाने की आदतों और पोषण सम्बंधी कमियों को जन्म दे सकती है। इसका परिणाम एक गतिहीन जीवन शैली भी हो सकता है, जो किसी के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाएगा। इस प्रवृत्ति में समय के साथ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर दबाव डालने और पीढ़ियों के जीवन की सामान्य गुणवत्ता को प्रभावित करने की क्षमता है। क्योंकि यह मोटापे, खराब पोषण और अस्वास्थ्यकर खाने के पैटर्न को बढ़ावा देता है, फास्ट फूड का सेवन बच्चों के स्वास्थ्य और खाने की आदतों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। फास्ट फूड, जिसमें कैलोरी, चीनी और खराब वसा अधिक होती है, मधुमेह और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के विकास के जोखिम को बढ़ाता है और वज़न बढ़ाता है। फास्ट फूड के लगातार सेवन से बच्चे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की तुलना में प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे संतुलित आहार खाने और पौष्टिक भोजन चुनने की उनकी संभावना कम हो जाती है। आजकल, बहुत से युवा फास्ट फूड को पसंद करते हैं क्योंकि यह सुविधाजनक, स्वादिष्ट और जल्दी बनने वाला होता है। इसके नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में जानते हुए भी वे इसे खाना जारी रखते हैं। व्यस्त जीवन शैली में, फास्ट फूड को जल्दी से जल्दी खाना सुविधाजनक है। वे भीड़ का अनुसरण करते हैं क्योंकि उनके दोस्त भी इसे पसंद कर सकते हैं। फास्ट फूड रेस्तरां अपने भोजन में स्वाद और सुगंध भी मिलाते हैं, जिससे यह अविश्वसनीय रूप से स्वादिष्ट और लगभग नशे की लत बन जाता है। इसके अस्वास्थ्यकर तत्वों, जैसे अत्यधिक वसा और चीनी के बारे में जानने के बाद भी, उन्हें फास्ट फूड की लालसा का विरोध करना मुश्किल लगता है। फास्ट फूड कंपनियाँ अपने उत्पादों को कूल और मनोरंजक दिखाने के लिए भ्रामक विज्ञापन का उपयोग करती हैं, जो एक

और कारक है। मशहूर हस्तियों और यादगार नारों का उपयोग ध्यान आकर्षित करने के लिए किया जाता है, खासकर युवा लोगों का। अपनी बुद्धिमत्ता और शिक्षा के बावजूद, लोग कभी-कभी अपने स्वास्थ्य पर संभावित हानिकारक प्रभावों पर विचार करने के बजाय फास्ट फूड खाने को प्राथमिकता देते हैं। वे ऐसे पेश आते हैं जैसे उन्हें पता है कि यह सबसे अच्छा विकल्प नहीं है, लेकिन फिर भी वे इसे चुनते हैं क्योंकि यह बहुत सरल और आकर्षक है। इसलिए, बहुत से लोग अभी भी ख़ुद को फास्ट फूड की ओर आकर्षित पाते हैं, भले ही वे इनका नुकसान जानते हों। चूँकि लोग घर के बने खाने की जगह सुविधाजनक भोजन चुन रहे हैं, इसलिए खान-पान की आदतें बदल रही हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में युवा लोग ज़्यादा प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ खा रहे हैं। बाजरा जैसे पारंपरिक अनाज की जगह रिफ़ाइंड अनाज और पैकेज्ड खाद्य पदार्थ ले रहे हैं। बाजरा की खपत को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2023 में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष की शुरुआत की थी। प्रोसेस्ड, उच्च वसा, उच्च चीनी वाले पश्चिमी आहार की बढ़ती संख्या पारंपरिक संतुलित भोजन की जगह ले रही है। मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और डोमिनोज़ के तेज़ी से बढ़ने के कारण भारत में शहरी खान-पान की आदतें बदल गई हैं। वैश्वीकरण के कारण खाद्य संस्कृति के एकरूपीकरण के कारण, क्षेत्रीय व्यंजन अपनी विशिष्टता खो रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में किण्वन-आधारित आहार और अन्य पारंपरिक खाना पकाने की तकनीकें लोकप्रिय नहीं हो रही हैं। खान-पान की बदलती आदतों के कारण, त्योहारों और धर्मों की पाक परंपराएँ अपना महत्त्व खो रही हैं। आयुर्वेदिक और सात्विक आहार जो हिंदू रीति-रिवाजों का एक प्रमुख हिस्सा हैं, उनकी जगह आधुनिक आहार ले रहे हैं। पारंपरिक खान-पान की प्रथाएँ, पारिवारिक भोजन और सामाजिक बंधन सभी फास्ट-फ़ूड संस्कृति से प्रभावित हो रहे हैं। अकेले खाने और स्विगी और ज़ोमैटो जैसी ऑनलाइन भोजन वितरण सेवाओं के बढ़ने के परिणामस्वरूप लोगों के साथ मिलकर खाने का तरीक़ा बदल गया है। वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं के परिणामस्वरूप स्ट्रीट वेंडर और स्वदेशी खाद्य कारीगर चुनौतियों का सामना करते हैं। यूनेस्को ने मुंबई की स्ट्रीट फ़ूड संस्कृति को स्वीकार किया है, लेकिन शहरी आधुनिकीकरण इसे खतरे में डाल रहा है। कुपोषण और स्वास्थ्य प्रभावः अधिक प्रसंस्कृत भोजन खाने के परिणामस्वरूप, हृदय रोग, मधुमेह और मोटापे में वृद्धि हुई है। आहार सम्बंधी आदतों में बदलाव के कारण भारत में 101 मिलियन मधुमेह रोगी हो गए हैं। खपत के पैटर्न में बदलाव के कारण पारंपरिक फसलों की मांग में कमी आई है, जिसका असर किसानों के मुनाफे पर पड़ा है। नीति आयोग (2022) के अनुसार, ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था को बनाए रखने के लिए फ़सल विविधीकरण महत्त्वपूर्ण है। छोटे पैमाने के खाद्य व्यवसाय, पारंपरिक भोजनालय और पड़ोस के खाद्य विक्रेता सभी वैश्विक खाद्य श्रृंखलाओं से प्रभावित हैं। 2017 के खाद्य लाइसेंसिंग विनियमों के कारण, छोटे, पारंपरिक रेस्तरां को बंद करना पड़ा। फ़ार्म-टू-टेबल कार्यक्रम और जैविक खेती के प्रति-आंदोलन आकार लेने लगे हैं। भारतीय खाद्य उत्पादों को जैविक भारत पहल द्वारा प्रमाणित जैविक होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। स्थानीय खाद्य सामर्थ्य वैश्विक खाद्य प्रवृत्तियों से प्रभावित होता है जो आयात पर निर्भरता बढ़ाते हैं। गेहूँ और पाम ऑयल के लिए आयात लागत में वृद्धि का घरेलू खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है। अपनी नींव को बनाए रखते हुए, भारत की विविध पाक संस्कृति को बदलना होगा। टिकाऊ खाद्य नीतियों, देशी फसलों के समर्थन और संतुलित आहार जागरूकता के कार्यान्वयन के माध्यम से आधुनिकीकरण द्वारा पारंपरिक खाद्य विविधता और सांस्कृतिक पहचान को कम करने के बजाय बढ़ाया जा सकता है। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि कभी-कभार फास्ट फूड खाने से आपके सामान्य स्वास्थ्य पर कोई बड़ा प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर, नियमित रूप से फास्ट फूड खाने से अंततः कई स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं।

दृष्टि कोण

# साफ होनी चाहिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर दिमागी गंदगी?

**कुछ** लोग ह्यूमर के नाम पर समाज में गंदगी फैला रहे हैं। ऐसा कंटेट प्रसारित कर रहे हैं जो चिंता का विषय है। विवाद बढ़ने के बाद ये अश्लील इंफ्लूएंसर अपनी करतूत पर माफी मांग लेते हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या इनकी शर्मनाक हरकत पर इनका माफ़ी मांग लेना काफ़ी है या बड़ा एक्शन होना चाहिये? ऐसे लगों को कानूनी तौर पर तो सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन साथ ही में जनता उनके सभी चैनलों का बहिष्कार करेगी तो यह उनके लिए सबसे बड़ी सजा होगी। इन लोगों को सजा मिलनी आवश्यक है तभी बाकी इस प्रकार के मानसिक दिवालिया वाले लोग सुधार पाएंगे। ऐसे सारे कार्यक्रम, ओटीटी, टीवी, आदि पर भी हैं। सब बंद होना चाहिए। ऐसा बलग़र कंटेंट्स हमारे देश की संस्कृति को खत्म कर देगी।.यह निंदनीय है और सभ्य समाज के लिए गलत भी। ऐसे लोग हमारा सनातन धर्म और हिंद संस्कृति का बेड़ागर्क कर रहे है। इनको सजा होनी चाहिए ताकि आने वाले समय ऐसी नीच हरकत और सोच रखने वाले ऐसी हरकत करने से पहले 10 बार सोचना पड़े। इस सब प्रकार की घिनौनी मानसिकता को देखना और सुनना आज के समाज का भी कसूर है। इन जैसे लोगों का समाज से बहिष्कार करना चाहिए। गंदी भाषा वाले बहुत सारे नाटक और फ़िल्में दिखाई जाती हैं। उन्हें भी बंद कर देना चाहिए। ओटीटी पर तो बहुत ज्यादा अश्लीलता परोसी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया की 'इंडियाज गॉट लैटेंट' पर 'आपत्तिजनक' टिप्पणियों की निंदा की। सर्वोच्च न्यायालय ने अल्लाहबादिया के शब्दों के पीछे छिपे गहरे मुद्दों को उजागर करते हुए इसे ₹उनके दिमाग की गंदगी₹ कहा। अल्लाहबादिया के शब्दों की निंदा करते हुए कहा कि उसकी भाषा से माता-पिता और बहनों को शर्म आएगी। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, अल्लाहबादिया की टिप्पणियों की विकृत प्रकृति से ₹पूरा समाज शर्मिंदा महसूस करेगा₹। यह मामला डिजिटल युग में प्रभावशाली व्यक्तियों और सामग्री निर्माताओं की जिम्मेदारी के बारे में व्यापक चर्चा को जन्म देता है। वैसे भी सार्वजनिक हस्तियों को अपनी भाषा के प्रयोग के प्रति सचेत रहना चाहिए, क्योंकि इससे सामाजिक मूल्यों पर असर पड़ता है। समाज पर ऐसे युवा प्रतीकों के प्रभाव को कम आंकना मूर्खतापूर्ण होगा, विशेषकर युवा मस्तिष्कों और स्वस्थ समाज की बुनियादी संस्कृति पर। क्या यह काफी बड़ा नहीं है? यह पूछना कि शो का कोई प्रतियोगी किस चीज के लिए कितना शुल्क लेगा, क्या इससे युवाओं की एक पूरी पीढ़ी भ्रष्ट नहीं हो जाएगी? तर्कहीन ढंग से और समाज के प्रति किसी जिम्मेदारी के बिना कही गई बातें। क्या आपके बच्चे नहीं हैं और न ही आपको उनकी परवाह है। सच तो यह है कि 'मजाक' के माध्यम से ऐसी अश्लीलता को सामान्य बनाना उसी मानसिकता को बढ़ावा देता है जो वास्तविक अपराधों को बढ़ावा देती है। समाज रातों-रात नहीं बिखर जाता - इसकी शुरुआत असहनीय को सहन करने, घृणित को "सिर्फ हास्य" के रूप में नजरअंदाज करने और धीरे-धीरे नैतिक सीमाओं को खत्म करने से होती है। कानूनी कार्रवाई का मतलब सिर्फ व्यक्तियों को दंडित करना नहीं है। इसका उद्देश्य एक मिसाल कायम करना है कि कुछ चीजें स्वीकार्य नहीं हैं, चाहे लोग उन्हें कितना भी हास्यपूर्ण बताने की कोशिश करें। यदि वे सचमुच समाज को बेहतर बनाने के बारे में चिंतित हैं, तो उन्हें यह समझना चाहिए कि सांस्कृतिक पतन से लड़ना भी बड़े अपराधों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है। यदि आप सोचते हैं कि हमें ऐसे घृणित 'मजाक' को नजरअंदाज कर देना चाहिए और केवल 'वास्तविक अपराधों' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, तो आप यह समझने में विफल हैं कि समाज कैसे काम करता है। विकृत और अपमानजनक हास्य को सामान्य मानने से नैतिक सीमाएं कमजोर होती हैं और लोग अस्वीकार्य चीजों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। कॉमेडी में बिना किसी परिणाम के कुछ भी कहने की छूट नहीं है। खासकर तब जब यह बहुत ही विचलित करने वाले क्षेत्र में प्रवेश कर जाए। कानून गरिमा को बनाए रखने और बुनियादी शालीनता के क्षरण को रोकने के लिए मौजूद हैं। अगर आप 'यह सिर्फ़ एक मज़ाक है' के नाम पर इसका बचाव कर रहे हैं, तो शायद असली मुद्दा यह है कि आप इस तरह की सामग्री के प्रभाव के प्रति कितने सुन्न हो गए हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ़ कानूनी कार्रवाई करना बहुत ज़रूरी है। आपका यह तर्क कि हमें 'मजाक के बजाय वास्तविक अपराधों और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए' मूर्खतापूर्ण और अपरिपक्व दोनों है। हास्य में शक्ति होती है और शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

कुछ अलग

# महावुंभ संपन्न

**महाशिवरात्रि** पर महावुंभ का अंतिम स्नान पर्व बुधवार को प्रातः हरहर महादेव के उद्घोष से शुरू हुआ और शाम चार बजे तक 1.32 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और यमुना के संगम में श्रद्धा की डुबकी लगाकर अब तक स्नान करने वालों की संख्या 66 करोड़ पार कर गईं। महावुंभ में इतनी संख्या में कभी भी स्नान करने श्रद्धालु नहीं पहुंचे थे। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महावुंभ 2025 का विधिवत समापन की घोषणा करेंगे। दरअसल महावुंभ में वुछ अप्रिय घटनाओं के कारण इसके महात्म्य को कम करके आंकना और बेतुकी टिप्पणी करने वालों को उम्मीद है कि उनके वुछ वोट बढ़ जाएंगे या उनके परम्परागत वोटर ज्यादा समर्पण भाव में आ जाएंगे। जिन्होंने महावुंभ को फालतू बताया, उन्हें बहुत राजनीतिक लाभ होगा, इसकी उम्मीद कम है। इसी तरह जिन्होंने महावुंभ को मृत्यु वुंभ बोला उन्हें भी वुछ ज्यादा परम्परागत वोटरों से लाभ मिलने वाला नहीं है। उन्हें भी अपने इस बयान से ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है जिन्होंने भीड़ में मरने वालों की संख्या हजार बताकर गंगा का जल प्रदूषित बताया। उत्तर प्रदेश के एक विपक्षी नेता तो महावुंभ की सफलता को लेकर इतने बौखलाए हुए हैं कि रोज वुछ न वुछ आयं-बायं-सायं बकते रहते हैं। कभी जल की शुद्धता पर तो कभी सुरक्षा व्यवस्था पर। विरोधी नेता से उम्मीद की जानी चाहिए कि वह सलाह देंगे। कमियों पर शासन का ध्यान केन्द्रित करेंगे किंतु जिस भाषा, भाव, शैली का इस्तेमाल सपा नेता अखिलेश यादव करते हैं उससे उनके विरोध का दुराशय ही परिलक्षित होता है। लेकिन सच यह है कि भगदड़ की जांच के दौरान एक पार्टी विशेष के वुछ विध्न संतोषी तत्वों द्वारा षड्यंत्र करके भगदड़ मचाने की घटना इतनी वुशलता से की जा रही है कि अब जांच एजेंसियां तथ्यों को एकत्र करके कार्रवाईं करने की तैयारी कर रही हैं। जानकारी मिली है कि शरारती तत्वों ने मात्र महावुंभ की वजह से सरकार की प्रशंसा से परेशान होकर जो वुछ भी खुराफात की उसमें भीड़-प्रबंधन और भीड़ के कारण मौत को लेकर प्रचार का जो हथवंडा अपनाया वह इंटरनेट मीडिया पर घटिया दुष्प्रचार था। ऐसी-ऐसी फोटो और वीडियो दिखाईं गईं जो बांग्लादेश की किसी अन्य कार्यव्रम की थी या तुकी, पाकिस्तान और मिस्र की थीं। यही नहीं जिन लोगों को भीड़ में मरा हुआ दिखाया व बताया गया वे सभी जीवित हैं। प्रयागराज पुलिस ने काफी परिश्रम के बाद ऐसे लोगों के बारे में डेटा एकत्र किया है और अब ये सभी जल्दी ही पकड़े जाएंगे। नईं दिल्ली रेलवे स्टेशन पर धक्का-मुक्की करने के उद्देश्य से वुछ ही देर में 1500 प्लेटफार्म के टिकट खरीदने वालों की भी पहचान की जा रही है। सच तो यह है कि महावुंभ के बाद सनातन के खिलाफ बेतुके बयानबाजों को तो सबक जरूर मिल गया होगा कि अब हिंदू खुद पर गर्व करने से संकोच नहीं करता। सनातनी धर्म की ध्वजा लहरा रही है तो इसका सबसे बड़ा कारण है कि वेंद्र और राज्य में ऐसे नेताओं की सरकारें हैं जो न तो खुद को हिंदू कहने में संकोच करते हैं और न ही हिंदू हितों के लिए पैसले लेने में हिचकते हैं। बहरहाल दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मेला महावुंभ दशकों तक स्मरण किया जाएगा। भीड़ प्रबंधन के लिए अपनाए गए तौर-तरीकों और आपदा प्रबंधन के लिए प्रयागराज का यह मेला उपयुक्त केस स्टडी माना जाएगा। भगदड़ में मौत न हो यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। महावुंभ में इतनी तैयारियों के बावजूद भी यदि भगदड़ में 30 लोगों की मौत हुईं तो यह अत्यंत दुखद है किंतु श्रद्धालुओं की संख्या देखते हुए महावुंभ 2024-25 की तारीफ की जानी चाहिए।

देश दुनीया से

# तापमान में बढ़ोतरी का दिखने लगा है खेती किसानी पर नकारात्मक असर

**तापमान** में बढ़ोतरी का दिखने लगा है खेती किसानी पर नकारात्मक असर जलवायु परिवर्तन का असर खेती किसानी पर साफ दिखाईं देने लगा है। कहा जा रहा था कि 2024 की फरवरी सर्वाधिक गमा वाला माह रहा है पर 2025 में जनवरी में जिस तरह से तापमान में बढ़ोतरी देखी गईं है और फरवरी में ही देश के अधिकांश हिस्सों खासकर उत्तरी भारत में तापमान में लगातार तेजी देखी जा रही है वह चितनीय होती जा रही है। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में फरवरी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 30 डिग्री को छूने को बेताब हो रहा है। देश के कईं हिस्सों में दिन का तापमान 29 डिग्री को पार कर रहा है। यह कोईं हमारे देश के ही हालात नहीं है अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में जलवायु परिवर्तन का असर साफ-साफ दिखाईं देने लगा है। बढ़ता तापमान बुरी तरह से प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण परिस्थिति तंत्र प्रभावित हो रहा है। बीमारियां तो पैल ही रही है संपूर्ण तंत्र पर ही नकारात्मक प्रभाव पड़ता जा रहा है। चितनीय यह है कि एक और हम निरंतर घटते भूजल स्तर से प्रभावित हो रहे हैं तो ग्लेसियरों के तेजी से पिघलने का असर दिखाईं दे रहा है। असमय अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तूफान, जंगलों में आग आदि आदि सीधा असर दिखाईं दे रहा है। जहां तक खेती-किसानी का प्रश्न है मौसम के अप्रत्याशित बदलाव से फसल चा पर नकारात्मक असर दिखने लगा है। फसल वपन का एक सिस्टम होता है। बुआईं से लेकर फसल के पक कर तैयार होने का चव्र होता है। दर असल हो यह रहा है कि जिस समय फसल में फल पूल आने का समय होता है उस समय तापमान बढ़ने से फल पूल का विकास रुक जाता है और फसल पकने लगती है, इससे फसल में खराबे और उत्पादन में कमी होना स्वाभाविक हो जाता है। दिसंबर, जनवरी की सदा और फरवरी में औसत तापमान से फसलों का सही ढंग से विकास संभव हो पाता है। एक अन्य चितनीय कारण यह भी बनता जा रहा है कि मावठ के समय मावठ नहीं होती, स्रदियों की बरसात के समय बरसात नहीं होती और जिस समय तापमान में बढ़ोतरी होनी चाहिए उस समय आंधी, तूफान और बरसात आकर फसल को चौपट करने में कोईं कमी नहीं छोड़ती। इसका सीधा सीधा असर खाद्यान्न संकट के रुप में देखा जा सकता है। प्रायः देखा जाने लगा है कि जब फसल की कटाईं का समय होता है उस समय आंधी तूफान या ओला-बरसात होकर फस्ल को चौपट करने में कमी नहीं छोड़ती। इसी तरह से जनवरी-फरवरी में जब तापमान में गिरावट की आवश्यकता होती है उस समय तापमान में बढ़ोतरी चिता का विषय बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना हैं कि यदि जलवायु परिवर्तन के हालात यही रहे तो वुछ खाद्गा वस्तुओं के भावों में कईं गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आलू, टमाटर, दालों, तिलहनों और अनाज के भावों में बढ़ोतरी साफ तौर से देखी जा सकती है। वृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेशज्ञों को मानना है कि तापमान की असामयिक उतार- चढ़ाव के चलते वृषि पैदावार पर सीधा सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। वृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। वृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खाद्गा वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीधा असर हमें महंगाईं के रुप में देखने को मिलेगा। मजे की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के देशों में तेजी से बंजर होती भूमि को लेकर चिता तो जताईं जा रही है पर अभी तक इन हालातों से निपटने का ठोस आधार तैयार नहीं किया जा सका है। आज दुनिया के देश आसन्न खादृान्न संकट को लेकर चितित है। इसके लिए बड़े बड़े सम्मेलनों में चितन मनन हो रहा है। विश्व खाद्गा संगठन सहित दुनिया की संस्थाएं इससे आसन्न संकट को लेकर तो परेशान है ही उनकी चिता का कारण यह भी होता जा रहा है कि पोष्टिक भोजन नहीं मिलने से करोड़ों लोक वुपोषण के शिकार है। खादृान्नों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। दुनिया के देश खेती किसानी के महत्व को कोरोना काल में अच्छी तरह से समझ चुके हैं। कोरोना में मानवता को संबल देने में खेती किसानी ने प्रमुख भूमिका निभाईं और सबवुछ बंद होने पर खेती किसानी ही लोगों का पेट भरने में सहायक रही। जलवायु परिवर्तन का असर जब साफ-साफ सामने आने लगा है तो उस हालात में मौसम विज्ञानियों और वृषि विज्ञानियों के सामने बड़ी चुनौती आ गईं है। एक और जलवायु परिवर्तन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारकों का कोईं ना कोईं विकल्प खोजना ही होगा। होता यह है कि हम जिसे आज बेहतर विकल्प बताते है वुछ समय बाद ही उसमें भी खामियां नजर आने लगती है। जलवायु को नियंत्रित करने वाले जंगलों का स्थान वंव्रिट के जंगल लेते जा रहे हैं। इसमें कोईं दो राय नहीं कि इलेक्ट्रोनिक उत्पादों व नईं-नईं खोजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है पर उसके साइड इपेक्ट तेजी से असर दिखाने लगे हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरा शत्ति को प्रभावित किया है। अत्यधिक जल दोहन से भूजल का स्तर साल दर साल नीचे जाता जा रहा है। भू क्शरण होने लगा है। भूमि तेजी से बंजर होती जा रही है। खैर हालात हमारे सामने हैं। ऐसे वृषि विज्ञानियों को ऐसी किस्में विकसित करनी होगी जो बदलते मौसम के अनुवूल हो। शुष्क भूमि में खेती की किस्में खोजनी होगी। इसी तरह से कम जल में विकसित होने वाली फसलों की किस्मों पर ध्यान देना होगा। वंजरवेशन खेती को बढ़ावा देना होगा। परंपरागत खेती को चरणवद्ध तरीके से अपनाना होगा। प्रयास यह करना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसक चा के बदलाव के अनुवूल फसलों की किस्में तैयार हो। क्योंकि प्रवृति से छेड़छाड़ करने में हमने कोईं कमी नहीं छोड़ी और उसका खामियाजा हमें आज भुगतना पड़ रहा है। तेज सदा के समय गमा से दो चार होना पड़ रहा है। इस सबके साथ ही धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के उपायों पर ध्यान देना होगा। हालात गंभीर चितनीय होते जा रहे हैं और यही हालात रहे तो विशेषज्ञ कहने लगे हैं कि वृषि उत्पादन में कमी का असर सारी दुनिया को भुगतना होगा। हालात और भी गंभीर हो उससे पहले ही ठोस प्रयास करने होंगे। बदलते हालातों में खेती किसानी के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे नहीं तो महंगाईं तो एक और है ही दुनिया के कईं देशों में भूखमरी के गंभीर हालात होने से कोईं नहीं रोक सकेगा।

आप का नजरीया

# बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार

**बांग्लादेश** की स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है। पहले तथाकथित छात्र आंदोलन की आड़ में कट्टरपंथी धड़ों ने बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं सहित अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर उनकी हत्याएं और लूटपाट की की। उसके बाद जब नोबेल पुरस्कार से सम्मानित और तथाकथित तौर पर प्रगतिशील एवं उदारवादी समझने जानेवाले मोहम्मद यूनुस के हाथ में सत्ता सौंप दी गई, उसके बाद भी हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों को लक्षित करके निशाना बनाया गया। मोहम्मद यूनुस कट्टरपंथी ताकतों पर किसी प्रकार की लगाम नहीं लगा सके अपितु उसके हाथ की कठपुतली बन गए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ किस प्रकार का व्यवहार किया जा रहा है, उसके सजीव चित्र निरंतर सामने आते ही रहते हैं, फिलहाल एक रिपोर्ट ने बांग्लादेश की यथास्थिति को सबके सामने पुनः ला दिया है। एक बार फिर बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरता एवं हिंसा की चर्चा प्रारंभ हुई है। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, यहां सांप्रदायिक हिंसा में 32 हिंदुओं की जान चली गई। बलात्कार और महिलाओं से उत्पीड़न के 13 प्रकरण सामने आए। लगभग 133 मंदिर हमलों का शिकार हुए। ये घटनाएं 4 अगस्त 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच हुईं। जब से बांग्लादेश में कट्टरपंथी खुलेआम हिंसा पर उतरे हैं, तब से आंकड़े देखे जाएं तो स्थिति और भयावह दिखायी देती है। यद्धपि यह आंकड़े इसलिए भी गंभीर हैं क्योंकि यह जो लक्षित हिंसा हुई है, वह मोहम्मद यूनुस की सरकार में हुई है। यह रिपोर्ट दो हिस्सों में बनायी गई है। काउंसिल के महासचिव मुनींद्र कुमार नाथ बताते हैं कि "बांग्लादेश में तख्तापलट के दौरान 4 अगस्त से 8 अगस्त के बीच अल्पसंख्यकों पर जबरदस्त हमले हुए। हमने इनका डेटा दो हिस्सों में तैयार किया है"। रिपोर्ट में दिए आंकड़ों का विश्लेषण करें तो ध्यान आएगा कि पहले हिस्से में 4 अगस्त से लेकर 20 अगस्त 2024 के बीच 15 दिनों की घटनाएं हैं, जब बांग्लादेश में हिंसा चरम पर थी। देश में पुलिस व्यवस्था काम नहीं कर रही थी। वहीं, रिपोर्ट के दूसरे हिस्से में 20 अगस्त से 31 दिसंबर 2024 के बीच की घटनाएं हैं। ये तख्तापलट के बाद उस वक्त की है, जब नई अंतरिम सरकार सत्ता संभाल चुकी थी। यानी की मनमाफिक सत्ता मिलने के बाद भी उपद्रवियों का वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। उदद्रवियों के निशाने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के अलावा गैर-इस्लामिक समुदाय भी थे। इसलिए सत्ता प्राप्ति के बाद इस्लामिक कट्टरपंथी धड़ों ने हिन्दुओं पर अपने हमले और तीव्र कर दिए। याद रखें कि रिपोर्ट में वही आंकड़े शामिल किए गए हैं, जिन्हें सरकार ने स्वीकार कर लिया और जिन्हें पुलिस ने अपने रिकॉर्ड में दर्ज किया है। इसलिए यह आंकड़े अंतिम नहीं है। भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय समूहों को बांग्लादेश में हिन्दुओं के अत्याचारों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बांग्लादेश में अराजक तत्वों पर लगाम लगे इसके लिए वहाँ की सरकार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर से दबाव बनाया जाना चाहिए।

# पंजाब सरकार ने राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए तीन माह की समय सीमा तय की

## मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया फैसला

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** नशे की समस्या के खिलाफ लड़ाई का ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपी को तीन माह के भीतर पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने का आदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में पुलिस आयुक्तों, जिला कमिश्नरों और एसएसपी के साथ बैठक करते हुए कहा कि सरकार नशे के मामलों की तेजी से सुनवाई और दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन करेगी। इसके लिए पुलिस और सिविल प्रशासन को पूरा समर्थन और सहयोग दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्कूलों और कॉलेजों में नशे की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही, ताकि युवा इसकी चपेट में न आएं। उन्होंने नशे की सप्लाई लाइन को पूरी तरह तोड़ने और नशा बेचने वालों को जेल में डालने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि नशा तस्करों और उनके परिवारों को बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं में कोई सब्सिडी न दी जाए ताकि अपराधियों से सख्ती से निपटा जा सके। नशा तस्करों के खिलाफ मिसाल कायम करने के लिए अगर एनडीपीएस एक्ट में किसी और संशोधन की जरूरत पड़ी तो वह इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने फील्ड अधिकारियों को भरोसा दिलाया कि नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए कार्रवाई के दौरान अधिकारियों को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब ने पहले भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जीती थी और अब सभी अधिकारी नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री ने पुलिस कमिश्नरों और एसएसपी से कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र में तीन महीनों के भीतर नशे की उपस्थिति पूरी तरह समाप्त होनी चाहिए। एक महीने बाद प्रत्येक एसएसपी अपने जिले में नशा विरोधी कार्यक्रम की प्रगति का मूल्यांकन करें और प्रदर्शन न दिखाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाने चाहिए, जिसके लिए एएनटीएफ ने पहले ही इसकी सूची प्रदान कर चुकी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बड़ी/मध्यम मात्रा में नशे की बरामदगी के मामलों में गिरफ्तार दोषियों की जमानत रद्द करने में पूरी कोशिश की जाए। उन्होंने एनडीपीएस मामलों में समय पर चार्जशीट पेश करने पर भी जोर दिया। एनडीपीएस मामलों में केमिकल रिपोर्ट भी समय पर पेश करने को कहा। मुख्यमंत्री ने नशे की खपत या नशे को बढ़ावा देने में शामिल पुलिस कर्मियों के खिलाफ मिसाल कायम करने वाली कार्रवाई करने के आदेश दिए। उन्होंने नशा तस्करी के दोषियों की संपत्ति तुरंत प्रभाव से जब्त करने और व्यावसायिक मात्रा वाले नशे की बरामदगी वाले मामलों में संपत्ति को 100 प्रतिशत जब्त करने की बात कही। इस दौरान भगवंत सिंह मान ने कहा कि व्यावसायिक उद्देश्य वाले नशे की बरामदगी वाले मामलों में अवैध संपत्तियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस कमिश्नरों और एसएसपी से कहा कि नशे से अधिक प्रभावित स्थानों (हॉटस्पॉट) की गहराई से पहचान की जानी चाहिए और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हर पखवाड़े प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र में और हर सप्ताह जेलों में घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) चलाया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूल पाठ्यक्रम में नशे की समस्या के खिलाफ पाठ्यक्रम शुरू करने की भी घोषणा की, जिसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि नशे की ओवरडोज से हुई मौत के प्रत्येक मामले में मुख्यमंत्री राहत कोष से उचित राहत दी जाए। मुख्यमंत्री ने डिप्टी कमिश्नरों से नशे की समस्या से पूरी तरह छुटकारा पाने के लिए जिला स्तर पर स्कूल शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, रोजगार और कौशल विकास विभागों में आपसी तालमेल स्थापित करने के लिए कहा। डिप्टी कमिश्नरों को सार्वजनिक बैठकों, शिविरों, सेमिनारों, साइकिल रैलियों, मानव श्रृंखलाओं, खेल आयोजनों, कौशल विकास कार्यक्रमों के रूप में हर महीने जन संपर्क कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए कहा।

## हरियाणा,महाराष्ट्र व दिल्ली हारने के बाद सदमे में है कांग्रेस : कृष्ण लाल पंवार

**रोहतक ( हिंस )।** प्रदेश के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और भूपेंद्र सिंह हुड्?डा अभी तक सदमे में हैं और वह सदमे से बाहर नहीं निकल पा रहे है। कांग्रेस पहले हरियाणा में हार से नहीं उबर रही थी फिर महाराष्ट्र, अब दिल्ली में हारने के बाद सदमे में है, भारत अब कांग्रेस मुक्त हो जाएगा, सभी जगह बीजेपी का झंडा फहरेगा। शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार रोहतक पहुंचे और निगम चुनाव के अंतिम दिन भाजपा मेयर प्रत्याशी व पार्षदों के पक्ष में जनसभाओं को संबोधित किया। कैबिनेट पंवार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएगी, जिस तरह से भाजपा सरकार ने बिना खर्ची व बिना पर्ची के योग्य युवाओं को नौकरियों दी है, उससे देश के अन्य प्रदेश भी आज हरियाणा सरकार का अनुशरण कर रहें है और प्रदेश की जनता ने निकाय चुनाव में भाजपा को जिताने का मन बना लिया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जिस तरह संकल्प पत्र जारी किया उसी तरह इस संकल्प पत्र में भी हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। युवा, किसान, गरीब परिवार, छात्र, सफाई कर्मचारी सभी की स्थिति और मजबूत करने के लिए भाजपा ने संकल्प लिया है। संकल्प पत्र में महिलाओं पर विशेष फोकस किया गया है।

## अनिता चौधरी हत्याकांड मामले में सीबीआई पहुंची अन्य नामजद के घर पर

**जोधपुर ( हिंस )।** बहुचर्चित अनिता चौधरी हत्याकांड मामले में अब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने भी केस दर्ज करने के बाद बड़े स्तर पर इसकी पड़ताल में जुटी है। शुक्रवार को सीबीआई टीम एसपी राजपाल सिंह के सुपरविजन में ब्यूटीशियन अनिता चौधरी के ब्यूटी पार्लर स्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए, साथ ही कारोबारी तैयब अंसारी के निवास पर भी पड़ताल की। मामले में मृतका ब्यूटीशियन अनिता चौधरी के पति का कहना है कि उन्हें सीबीआई जांच पर पूर्ण भरोसा है। उसके पति और पुत्र से सीबीआई की टीम पहले ही पूछताछ कर चुकी है। मामले को लेकर गत 3 फरवरी को सीबीआई ने केस दर्ज किया था। जिसमें कारोबारी तैयब अंसारी को भी नामजद किया गया था। अनिता चौधरी की सहेली सुमन सैन के घर पर भी पड़ताल की जा रही है। सीबीआई पहले ही एक केस लवली कंडारा की जांच में जोधपुर में बैठी है और जांच पड़ताल में जुटी है। इधर अनिता चौधरी हत्याकाण्ड को लेकर काफी समय से परिजन की तरफ से सीबीआई जांच की मांग की जाती रही है। राज्य सरकार से भी सीबीआई जांच की मांग रखी गई थी। पुलिस द्वारा प्रकरण से जुड़े आरोपींों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद 3 फरवरी को सीबीआई में केस दर्ज किया गया था। बता दें कि जोधपुर कमिश्नरेट पुलिस ने न्यायालय में चार्जशीट पेश की थी। पुलिस ने अनिता हत्याकांड में मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन और उसकी पत्नी आबिदा को ही आरोपी मानते हुए उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। जांच अधिकारी एडीसीपी (महिला अपराध अनुसंधान सेल पश्चिम) सुनील के पंवार ने नियत समय में मामले की जांच कर गत तीस जनवरी को कोर्ट में यह चार्जशीट पेश कर दी, जिसमें गुलामुद्दीन द्वारा अनिता की हत्या कर टुकड़ों में काटना और उसकी पत्नी को उसका सहयोगी माना है। जांच अधिकारी सुनील के पंवार ने बताया था कि अनिता चौधरी की हत्या लूट के इरादे से की गई थी। गत 27 अक्तूबर को अनिता अपने पार्लर से गुलामुद्दीन के घर गई, तो वह उसे एस्कॉर्ट कर रहा था। नशीला पदार्थ पिलाकर उसे बेहोश किया गया। उसके पहने हुए जेवर उसने उतार लिए। अपनी पत्नी को उसकी बहन के घर भेज दिया। अगले दिन 28 अक्तूबर को सुबह जब अनिता नहीं उठी, तो वह घबरा गया। बेहोशी की हालत में उसने सिर फोड़कर हत्या कर दी। शव को ठिकाने लगाने के लिए उसने सरदारपुरा से एक तेज चाकू खरीदा जिससे छह टुकड़े कर शव गाड़ दिया था। पुलिस ने इस हाइप्रोफाइल मामले में एक प्रॉपर्टी डीलर को भी कई दिनों तक हिरासत में रखा था। लेकिन उसके खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं मिले, जिसके चलते उसे छोड़ना पड़ा।

## बारां सड़क हादसे में तीन की मौत, नौ घायल

**बारां ( हिंस )।** राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही क्रूजर जीप को तेज रफ्तार ट्रोले ने टक्कर मार दी, जिससे जीप में सवार कुवैत में काम करने वाले दो दोस्त और उनमें से एक की पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। शाहबाद डीएसपी रिछपाल मीणा ने बताया कि सागवाड़ा के टामटिया गांव के लोग प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर लौट रहे थे। सुबह करीब छह बजे देवरी इलाके में फरेदुआ पाजन टोरी गांव के पास हाईवे पर उनकी जीप सामने से आ रहे ट्रोले से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में जगदीश प्रजापत (40) निवासी सागवाड़ा, भरत प्रजापत (45) निवासी टामरिया और भरत की पत्नी अमृत बाई (40) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को अस्पताल की मॉर्चरी में भिजवाया। हादसे में देवांगी प्रजापत (20), फाल्गुनी प्रजापत (23), जशोदा (40), तुलसी (40), मोहनलाल (40), सोनिका (23), ममता (19), क्रिश (14) और ड्राइवर निलेश (27) घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर होने पर उन्हें कोटा रेफर किया गया।

## प्रधानमंत्री की नीतियों व गारंटियों पर जनता को भरोसा : नायब सिंह सैनी

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र और हरियाणा में डबल इंजन सरकार लगातार लोगों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। जिस प्रकार देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों व गारंटियों पर भरोसा जता रही है, उससे उन्हें पूरा विश्वास है कि 2029 में लोकसभा व विधानसभा चुनावों में भी केंद्र व हरियाणा में हमें एक बार फिर जनसेवा का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार को अंबाला शहर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ट्वीट पार्टी बनकर रह गई है, उनका न कोई नेता है, न कोई नियत है। वर्तमान राज्य सरकार निरंतर जन कल्याण के लिए अभूतपूर्व निर्णय लेते हुए लोगों के जीवन को सरल व खुशहाल बनाने का काम कर रही है। उन्होंने दिल्ली चुनावों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस प्रकार दिल्ली में लोगों ने आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने का काम किया है, उसी प्रकार पंजाब में भी लोग आआपा को सत्ता से बाहर करने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अपने पहले 100 दिन में संकल्प पत्र के 18 महत्वपूर्ण फैसले लेते हुए जनता को इसका लाभ देने का काम किया है और 10 फैसले ऐसे हैं जिनमें प्रशासनिक अप्रूवल मिलते ही इसका लाभ भी जनता को देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में हरियाणा ऐसा पहला राज्य है जहां पर किसानों की सभी फसलें एमएसपी पर खरीदने का काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं 2004 के कलेक्टर रेट लेकर ऐसे किसान जो काफी समय में कास्त कर रहे थे, उन्हें मालिकाना हक दिलवाने का काम किया गया है। इससे कई हजार किसानों को इसका फायदा हुआ है। इसी प्रकार 20 साल से यदि किसी व्यक्ति का पंचायती भूमि पर मकान का कब्जा है, उसे भी 2004 के कलेक्टर रेट लेकर उसे मालिकाना हक दिलवाने का काम किया गया है। एक-एक काम को चिन्हित करके लोगों को इसका लाभ दिलवाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के तहत आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 रुपए देने की घोषणा पर भी कार्य किया जा रहा है और 7 मार्च को बजट सत्र आयोजित किया जा रहा है। बजट में इसके लिए प्रावधान किया जाएगा।

## भूकंप के झटके से डोली धरती,लोगों में मचा हड़कंप

**अररिया ( हिंस )।** अररिया में शुक्रवार को मध्य रात्रि के बाद तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.5 मापी गई। भूकंप के झटके पूरे बिहार के साथ अररिया जिला में भी महसूस किए गए। लोग उस समय अपने घरों में गहरे नींद सोए हुए थे कि उसी समय भूकंप के झटके से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। भूकंप का केंद्र नेपाल का बागमती क्षेत्र था। भूकंप सुबह 2-36 बजे आया। इसकी गहराई धरती से 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप का केंद्र नेपाल के बागमती क्षेत्र में धरती के 10 किलोमीटर नीचे बताया जाता है। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 2-36 बजे आया।

## संभल जामा मस्जिद की साफ सफाई कराने का निर्देश

### रंगाई पुताई का आदेश नहीं, अगली सुनवाई चार मार्च को

**प्रयागराज ( हिंस )।** इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एएसआई को संभल जामा मस्जिद की साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया लेकिन रंगाई पुताई के लिए आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने मस्जिद की इंतजामिया कमेटी को अगली सुनवाई तक एएसआई की रिपोर्ट पर आपत्ति प्रस्तुत करने को कहा है। साथ ही अगली सुनवाई के लिए चार मार्च की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने संभल जामा मस्जिद की इंतजामिया कमेटी की याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को दिया है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान एएसआई ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। एएसआई के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने बताया कि निरीक्षण रिपोर्ट के साथ पूरक शपथ पत्र सोमवार तक ई-फाइल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मस्जिद के मुतवल्ली की उपस्थिति में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि मस्जिद के अंदरूनी हिस्से को सुनहरे लाल, हरे और पीले जैसे तेज रंगों के साथ मोटी परतों में एनामेल पेंट से पेंट किया गया है, जो स्मारक की मूल सतह को छुपा रहा था। निरीक्षण में यह बात भी सामने आई कि आधुनिक एनामेल पेंट अब भी अच्छी स्थिति में है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि प्रवेश द्वार के साथ प्रार्थना हॉल के पीछे और उत्तर की ओर स्थित कक्षों में कुछ खराब होने के संकेत हैं। इसके अलावा द्वार का लिंटल खराब हो गया है जिसे बदलने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कक्ष खस्ता हालत में हैं, खासकर छत जो लकड़ी के छप्पर से भी बनी है। उन्होंने बताया कि एएसआई की संरक्षण और विज्ञान शाखा इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। जहां तक दैनिक रखरखाव यानी सफाई, धूल हटाना और स्मारक के आसपास की घासफूस को हटाने का सवाल है, एएसआई यह कार्य करेगा बशर्ते मस्जिद की इंतजामिया कमेटी एएसआई को ऐसा करने में कोई बाधा न डाले। इस पर इंतजामिया कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने कहा कि कमेटी केवल पुताई और रोशनी की व्यवस्था करना चाहती है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को परिसर में जमा धूल और घास साफ कराने का निर्देश दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने कहा कि वह रिपोर्ट पर आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हैं क्योंकि मस्जिद में रंगाई पुताई की आवश्यकता है, जो वार्षिक गतिविधि है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सफाई के दौरान कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी। दूसरी ओर राज्य सरकार के महाधिवक्ता अजय मिश्र ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। एडवोकेट हरिशंकर जैन ने भी शपथ पत्र दाखिल के लिए मंगलवार तक का समय मांगा। कोर्ट ने इंतजामिया कमेटी और हरिशंकर जैन को आपत्ति व शपथ पत्र के लिए समय देते हुए कहा कि एएसआई मस्जिद के आसपास की दैनिक रखरखाव यानी सफाई, धूल हटाने और घासफूस को हटाने का कार्य तुरंत करेगा। मस्जिद की इंतजामिया कमेटी से अपेक्षा की जाती है कि वह कोई बाधा नहीं पहुंचाएगी और एएसआई के कार्य में सहयोग करेगी। इसके अलावा यह स्पष्ट किया जाता है कि जब एएसआई द्वारा सफाई का कार्य किया जा रहा होगा तो प्रशासन का कोई भी व्यक्ति हस्तक्षेप नहीं करेगा। कोर्ट ने पूर्व में पारित अंतरिम आदेश को भी अगली सुनवाई तक बढ़ा दिया। इससे पहले गुरुवार को कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को तीन अधिकारियों की कमेटी बनाकर संभल में जामा मस्जिद का निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। कमेटी में मेरठ परिक्षेत्र के संयुक्त महानिदेशक मदन सिंह चौहान, निदेशक स्मारक जुल्फेकार अली, अधीक्षण पुरातत्वविद विनोद सिंह रावत और मस्जिद के मुतवल्ली भी शामिल थे। कोर्ट ने कमेटी को शुक्रवार सुबह 10 बजे तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

## बिजयनगर नाबालिग छात्राओं से दुष्कर्म व ब्लैकमेल कांड में कैफे संचालक कर्नाटक से पकड़ा गया

**अजमेर ( हिंस )।** बिजयनगर में नाबालिग छात्राओं से दुष्कर्म और ब्लैकमेल कांड में कैफे संचालक सांवरलाल को पुलिस ने कर्नाटक से गिरफ्तार कर लिया है। मामला उजागर होने पर आरोपी फरार हो गया था। इसी कैफे संचालक की मौजूदगी में नाबालिग छात्राओं से दुष्कर्म किया गया था। मामले में अब तक कुल 13 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इनमें से आठ आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं, जिनमें सोहेल, रेहान, श्रवण जाट, करीम, आशिक, लुकमान और अफराज शामिल हैं। तीन नाबालिगों को किशोर सुधार गृह में भेजा गया है। पूर्व पार्षद हकीम कुरैशी पुलिस की पांच दिन की अभिरक्षा में है। वहीं 13वां आरोपी सांवरलाल, जो घटना के उजागर होने पर फरार हो गया था, कर्नाटक से पकड़ा गया है। बिजयनगर के उपाधीक्षक सज्जन सिंह ने बताया कि फरार आरोपी के कर्नाटक में होने की सूचना मिलने पर पुलिस दल वहां भेजा गया था। पुलिस की तीन टीमें अलग-अलग राज्यों में उसकी तलाश कर रही थीं। इनमें से एक टीम ने कर्नाटक में उसे पकड़ लिया। शीघ्र ही उसे ब्यावर लाया जा रहा है। उपाधीक्षक ने बताया कि आरोपी के कैफे में दुष्कर्म की वारदात होना अनुसंधान में सामने आया है। घटना के विरोध में शुक्रवार को मार्बल सिटी किशनगढ़ शांतिपूर्ण बंद रहा। सकल हिंदू समाज व हिंदूवादी संगठनों के आह्वान पर व्यापारी संगठनों ने बंद को पूर्ण समर्थन दिया। सुबह से ही किशनगढ़ के बाजार बंद रहे। मुख्य चौराहे पर उपखंड अधिकारी निशा सहारन को विभिन्न हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और फांसी की सजा की मांग की गई। साथ ही पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद सहित अन्य मांगें रखी गईं। बंद के मद्देनजर पुलिस प्रशासन अलर्ट पर रहा। सीओ सिटी आईपीएस अभिषेक सहित सर्किल थाना पुलिस के अधिकारी बंद को लेकर निगरानी बनाए रहे। मुख्य चौराहे पर हिंदूवादी संगठनों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान संगठन के गोपाल शर्मा, नरेंद्र सिंह राजावत, सूर्यप्रकाश शर्मा, शैतान सिंह धौलपुरिया, प्रेम साहू, विजय शर्मा, लक्ष्मीनारायण सोनगरा, भाजपा नेता महेंद्र पाटनी सहित कई लोग मौजूद रहे। सकल हिंदू समाज के बैनर तले अजमेर के सभी समाजों और व्यापारिक संगठनों के आह्वान पर शनिवार, 1 मार्च 2025 को अजमेर संपूर्ण बंद रहेगा। बंद को व्यापारिक संगठनों के रमेश लालवानी, महेंद्र बंसल, दरगाह बाजार एसोसिएशन के दौलत लोगानी, कुमार लालवानी, कचहरी रोड के किशोर टेकवान, सरदार नरेंद्र पाल सिंह छाबड़ा, नाला बाजार से कृष्ण गोपाल, ब्राह्मण समाज के अनिल भारद्वाज, वैश्य समाज के उमेश गर्ग सहित विभिन्न जाति-समुदायों ने समर्थन दिया है।

## राकेश टिकैत ने किसानों के मुद्दे पर सरकार को घेरा

**मीरजापुर ( हिंस )।** बंटोगे तो लुटोगे। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश सिंह टिकैत ने शुक्रवार को धौरूपुर स्थित एक लॉन में पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश सरकार को सीधी चुनौती देते हुए यह नया नारा दिया। महाकुंभ की व्यवस्थाओं की तारीफ की, लेकिन किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरा। टिकैत ने ट्रैक्टर रैली और किसान मजदूर महापंचायत को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ की व्यवस्था शानदार थी लेकिन यह योगी का नहीं, कुंभ का फंड था। अगर सही व्यवस्था न होती, तो पूरा शहर तबाह हो जाता। टिकैत ने हिंदू पहचान पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि इस देश में दो तरह के हिंदू हैं। नरवरिया हिंदू और भारतीय हिंदू। जो अभी पैदा हुए हैं, वे नरवरिया हैं, जबकि हम भारतीय हिंदू हैं। उन्होंने कुंभ स्नान पर सीएम योगी पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग अभी नहीं नहाए, वे जल्दी कर लें, वरना आगे परेशानी होगी। टिकैत ने मोदी सरकार के 2047 तक भारत विकसित के वादे पर सीधा हमला बोला। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि 2047 तक किसान की जमीन खत्म हो जाएगी, सब कुछ पूंजीपतियों के पास चला जाएगा। चमचमाती इमारतों के पीछे झुग्गियां होंगी, यही इनका विकास है।

## महंत नारायण गिरि महाराज आंध्र प्रदेश की धर्म यात्रा के लिए होंगे रवाना

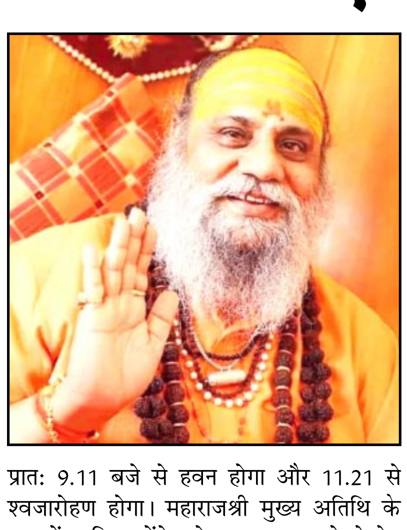

**गाजियाबाद ( हिंस )।** श्री दूधेश्वर नाथ मंदिर के पीठाधीश्वर, श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता, दिल्ली संत महामंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व हिंदू यूनाइटेड फ्रंट के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज आंध्र प्रदेश की धर्म यात्रा के लिए शुक्रवार को सांय विजयवाड़ा रवाना होंगे। रात्रि में जागरण विजयवाड़ा में ही रहेगा। महाराजश्री का विजयवाड़ा में रामदेव मंदिर के अध्यक्ष श्याम सिंह, कालू सिंह, हरि सिंह समेत सैकडों भक्त जोरदार स्वागत करेंगे। शनिवार 1 मार्च को श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज गुंटूर पहुंचेंगे, जहां श्री राजस्थानी विष्णु समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित जगदीश सिंह राजपुरोहित द्वारा श्री मां जगदम्बा, श्री बाबा रामदेव जी व श्री अंबेश्वर महादेव मंदिर में देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा, लघु रूद्र यज्ञ व प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की छठीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। श्रीमहंत नारायणगिरि महाराज के पावन सानिध्य में श्री गीता मंदिर आर अग्राहरम में 1 मार्च को रात्रि 9.15 से भजन संध्या में चढ़ावे 2026 के बोले लगाए जाएंगे। भजन संध्या में राजस्थान के भजन सम्राट दलपतजी चौहान व उनकी पार्टी भजनों से भगवान व मां की महिमा का गुणगान करेंगे। रविवार 2 मार्च को मंदिर में प्रात: 9.11 बजे से हवन होगा और 11.21 से श्वजारोहण होगा। महाराजश्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दोपहर 11.31 बजे से देव अमृत भोजन होगा। श्री अम्बे माताजी की अखंड ज्योत के लाभार्थी चौधरी अणदाराम, शंकरराम, जगदीश व मदन होंगे। बाबा रामदेवकी अखंड ज्योत के लाभार्थी कांतिलाल, श्री महादेव जी की अखंड ज्योत के लाभार्थी राजपूत विक्रम सिंह, जितेंद्र सिंह, राजपूत जितेंद्र सिंह, बाल भोग माताजी के लाभार्थी क्षत्रिय घांची भीकाराम, बाल भोग रामदेव जी के लाभार्थी राजपूत अमर सिंह, विक्रम सिंह, राजपूत भरत सिंह, नरेंद्र सिंह, बाल भोग महादेव जी के लाभार्थी वैष्णव बुद्धिप्रकाश, वर्षगांठ भोजन के लाभार्थी चौधरी दुर्गाराम, मोती राम, मंगलराम, ओमाराम, श्री भजन संध्या के लाभार्थी चौधरी मानाराम,श्री बहुमान के लाभार्थी प्रजापत अशोक कुमार, श्री महाशिवरात्रि अभिषेक के लाभार्थी वैष्णव श्रवणकुमार, अरूण कुमार व देव वस्त्र के लाभार्थी राजपुराहित जगदीश सिंह होंगे। दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के मीडिया प्रभारी एस आर सुथार ने बताया कि महाराजश्री 3 मार्च की प्रात: भगवान दूधेश्वर की सेवा में उपस्थित होंगे। 3 मार्च को मंदिर परिसर में संचालित श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ में वेद परीक्षा होगी। केंद्र सरकार ने श्री दूधेश्वर वेद विद्या पीठ को वेद परीक्षा का परीक्षा केंद्र बनाया है। परीक्षा में कई शहरों के 550 विद्यार्थी शामिल होंगे। महाराजश्री परीक्षा लेने वाले आचार्यो का स्वागत अभिनंदन कर सांय को काशी के लिए रवाना होगे। काशी में उनका 10 मार्च तक प्रवास रहेगा और उसके बाद श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज भगवान दूधेश्वर की सेवा में उपस्थित होंगे।

## भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्य तिथि

**भागलपुर ( हिंस )।** देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्य तिथि के अवसर पर शुक्रवार को भागलपुर के विधायक अजीत शर्मा के निवास स्थित कांग्रेस के कैम्प कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। सर्वप्रथम कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत नेता के प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित किया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधि डॉ. अभय आनंद ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद विद्यार्थी जीवन से ही भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हो गए थे। वे एक मेधावी छात्र और कुशाग्र बुद्धि के नेता थे। सादा जीवन उच्च विचार उनके जीवन का मूल मंत्र था, वे लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक थे। आज जब देश की संवैधानिक संस्थाओं पर सांप्रदायिक ताकतें सत्ता के संरक्षण में कब्जा कर रही है, ऐसे में उनकी विचार धारा ज्यादा प्रासंगिक हो गई है। उनके बताए रास्तों पर चल कर हम देश की धर्म निरपेक्ष छवि को पुर्नप्रतिष्ठापित कर देश की गंगा जमुनी तहजीव को मजबूत कर सकते है। इस अवसर डॉ. अभय आनन्द, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सोईन अंसारी, अभिषेक चौबे, रविन्द्रनाथ यादव, डॉ. जयशंकर ठाकुर, ई रवि कुमार, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विशाल कुमार, शिवशंकर सिन्हा, रमीज राजा, सिद्धार्थ कुमार, उषा रानी, सौरभ पारिक, गंगेश कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

# लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

**घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोना 400 से 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये से लेकर 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता रहा।**

इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये से लेकर 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### तुहिन कांता पांडे बने नए सेबी चेयरमैन, माधबी पुरी बुच की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। वह माधबी पुरी बुच की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 28 फरवरी 2025 को समाप्त हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी। उनका कार्यकाल तीन साल का रहेगा। 1987 बैच के आईएएस अधिकारी तुहिन कांता पांडे ओडिशा कैडर से आते हैं। वह सार्वजनिक वित्त, निवेश और परिसंपत्ति प्रबंधन में गहरी विशेषज्ञता रखते हैं। उन्होंने पांच साल तक डीआईपीएएम (डिपार्टमेंट ऑफ़ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट) सचिव के रूप में कार्य किया और सितंबर 2023 में वित्त सचिव बने। जनवरी 2024 में उन्होंने राजस्व सचिव का कार्यभार भी संभाला था। सेबी की कमान ऐसे समय पांडे को सौंपी गई है जब भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि उनके नेतृत्व में पूंजी बाजार में सुधार और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी जाएगी। एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के सीईओ नवनीत मुन्होत ने उनकी नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, तुहिन कांता पांडे ने एयर इंडिया के निजीकरण और एलआईसी के सफल आईपीओ जैसी ऐतिहासिक आर्थिक नीतियों का नेतृत्व किया है। सेबी में उनकी नियुक्ति से बाजार को स्थिरता और पारदर्शिता मिलेगी। उनके नेतृत्व में जनवरी 2022 में टाटा ग्रुप ने 18,000 करोड़ रुपये में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया। 2022 में एलआईसी का सफल आईपीओ उनके निर्देशन में आया। आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया की निगरानी भी उन्होंने की, जो अभी जारी है। तुहिन कांता पांडे के कार्यभार संभालने के बाद अब नजर इस पर होगी कि वे नए बाजार नियमन, आईपीओ सुधार, निवेशकों की सुरक्षा, और कारोबारी पारदर्शिता को लेकर क्या कदम उठाते हैं। विवादों में रहा माधबी बुच का कार्यकाल माधबी पुरी बुच के कार्यकाल में बाजार निगरानी और नियामकीय सुधारों को लेकर उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही, लेकिन अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद ने सेबी की साख को झटका दिया।

### फ्रंट फ्लिप मार सकता है चाइनीज ह्यूमनॉइड रोबोट

**बीजिंग।** दुनिया भर की प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां अब ह्यूमनॉइड रोबोट्स की कैटेगरी में एंट्री कर रही हैं। चीन में इस पर बड़ा काम हो रहा है। वहां की एक कंपनी है झोंगकिंग रोबोटिक्स। इसका पॉपुलर नाम इंजनएआई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, झोंगकिंग रोबोटिक्स ने दुनिया का ऐसा पहला ह्यूमनॉइड रोबोट बनाया है, जो फ्रंट फ्लिप मार सकता है। आसान भाषा में कहें तो यह एक जगह पर खड़ा होकर आगे की तरफ से पूरा फ्लिप हो जाता है। कंपनी ने इसका वीडियो भी शेयर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बैकफ्लिप करने वाले रोबोट तैयार किए जा चुके हैं। 2017 में पहली बार दुनिया ने बैकफ्लिप करने वाला रोबोट देखा था। उसे एक अमेरिकी कंपनी ने तैयार किया था। तब से अबतक ना जाने कितने ऐसे रोबोट आ गए।

### पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च

**नई दिल्ली।** भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड ने अपनी पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 में दो नए कलर पिक्स ब्रॉन्ज और स्मोक सिल्वर शामिल किए हैं। बाइक स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन और मीडिया कंट्रोल के साथ 4-इंच टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स से लैस है। बाइक अब 6 कलर ऑप्शन के साथ अवेलेबल है। रोडस्टर बाइक तीन वैरिएंट- एनालॉग, डैश और फ्लैश में आती है और इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.49 लाख रुपए रखी गई है, जो टॉप वैरिएंट में 2.54 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक जाती है। नए कलर के साथ बाइक की बुकिंग लॉन्च के साथ ही शुरू हो चुकी है और इनकी डिलीवरी 10 मार्च 2025 से मिलेगी। भारत में इसका मुकाबला ट्रायम्फ 400, हुस्कवर्ना स्वार्टपिलेन 401 और होंडा सीबी300आर से है।

# एफटीए को लेकर भारत-यूके के बीच बातचीत के 14 राउंड पूरे

नई दिल्ली

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट ( एफटीए) को लेकर भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच बातचीत के 14 राउंड पूरे हो चुके हैं। भारत और यूके के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का उद्देश्य व्यापारिक बाधाओं को कम करना, टैरिफ (शुल्क) घटाना और निवेश के अवसरों को बढ़ाना है।

24 फरवरी 2024 को भारत के कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल और यूके के बिजनेस एंड ट्रेड सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस समझौते को लेकर बातचीत दोबारा शुरू करने की घोषणा की। यह वार्ता 8 महीने के ब्रेक के बाद फिर से शुरू हुई है। भारतीय वस्त्र, फार्मा, आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर को यूके में बेहतर बाजार मिलेगा। कई भारतीय उत्पादों पर यूके में आयात शुल्क घट सकता है, जिससे वे सस्ते होंगे और उनकी मांग बढ़ेगी। व्यापार बढ़ने से भारत में निवेश और नौकरियों के नए अवसर पैदा होंगे।

भारत के आईटी और फाइनेंशियल सेक्टर को यूके यूके में विस्तार का मौका मिलेगा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा: मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती मिलेगी, जिससे उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। भारत ने 13 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स और 6 प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट्स (पीटीएएस) पर हस्ताक्षर किए हैं। हाल के वर्षों में भारत ने मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ एफटीए समझौते किए हैं। अब ईयू और यूके के साथ एफटीए को लेकर सक्रिय रूप से बातचीत चल रही है। ट्रेड एग्रीमेंट्स को उनकी प्रकृति के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में रखा जाता है, जैसे पीटीए में कुछ विशेष उत्पादों पर टैरिफ रियायतें मिलती हैं (जैसे भारत-थाईलैंड पीटीए) । आरटीए में क्षेत्रीय स्तर पर देशों के बीच व्यापार समझौता होता है। बीटीए में दो देशों के बीच व्यापारिक समझौता, सीईसीए और सीईपीए के तहत व्यापार के अलावा निवेश, सेवाएं और अन्य आर्थिक सहयोग भी शामिल होते हैं (जैसे भारत-कोरिया सीईपीए) । इसी तरह व्यापक व्यापारिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने वाला समझौता। भारत और यूके के बीच एफटीए से व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को नया आयाम मिलेगा।

### नथिंग फोन 3ए स्मार्टफोन सीरीज 4 मार्च को लॉन्च होगी

**मुंबई।** यूके बेस्ड टेक कंपनी नथिंग 4 मार्च को नथिंग फोन 3ए सीरीज लॉन्च करने जा रही है। इस सीरीज में कंपनी दो स्मार्टफोन नथिंग फोन 3ए और नथिंग फोन 3ए प्रो पेश करेगी। नथिंग 3ए सीरीज के स्मार्टफोन में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट वाला 6.77 इंच का एमोलेड डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा और 5000 एमएएच बैटरी मिलने की उम्मीद है। भारत में इसकी शुरुआती कीमत 40,000 रुपए हो सकती है। कंपनी ने स्मार्टफोन्स के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में इसके लगभग सभी फीचर्स लीक हो चुके हैं। उन्हीं के आधार पर हम यहां इसके स्पेसिफिकेशन शेयर कर रहे हैं। नथिंग फोन 3ए में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.77 इंच का फ्लेक्जिबल एमोलेड डिस्प्ले मिल सकता है। इसका रेजोल्यूशन 1280गुणा2400 पिक्सल और पीक ब्राइटनेस 1600 नीट्स हो सकती है। परफॉर्मेंस के लिए फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 चिपसेट मिल सकता है, जो लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्रॉयड 15 पर रन करता है। फोटोग्राफी के लिए फोन के बैक पैनल पर ट्रिपल कैमरा सेटअप में 8 मेगापिक्सल सोनी अल्ट्रा-वाइड-एंगल लेंस, 50 मेगापिक्सल ओआईएस कैमरा और 4गुणा लॉसलेस जूम, 30गुणा अल्ट्रा जूम और 2गुणा नॉर्मल जूम के साथ 50 एमपी टेलीफोटो कैमरा मिल सकता है। कैमरा में प्रोट्रेट मोड भी मिलेगा। वहीं, सेल्फी और वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए स्मार्टफोन में 50एमपी और 32एमपी का कैमरा मिलेगा। पावर बैकअप के लिए फोन में 80वॉट की फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5000एमएएच की बैटरी मिलेगी। कनेक्टिविटी के लिए फोन में 5जी, 4जी, 3जी, 2जी, वायफाय, जीपीएस, एनएफसी, ब्लूटूथ और चार्जिंग व ऑडियो जैक के लिए यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट मिल सकता है।

# मारुति सुजुकी ने खरखौदा प्लांट में शुरू किया उत्पादन

नई दिल्ली

हरियाणा के खरखौदा स्थित अपने नए प्लांट में मारुति सुजुकी इंडिया ने उत्पादन शुरू कर दिया है। हरियाणा के इस प्लांट में ब्रेजा एसयूवी बनाई जाएगी। बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2022 में इस प्लांट की नींव रखी थी।

कंपनी भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है और इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी ध्यान दे रही है। वह भारत से ज्यादा गाड़ियां निर्यात भी करना चाहती है। मारुति सुजुकी इंडिया का खरखौदा प्लांट काफी अहम है, क्योंकि इससे घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इस प्लांट की आधारशिला अगस्त 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली रखी थी। इस प्लांट से शुरुआत में 2.5 लाख गाड़ियां हर साल बनाई जाएंगी। इस नए प्लांट के शुरू होने से मारुति सुजुकी कारों की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 26 लाख यूनिट सालाना हो गई है। इसमें सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन भी शामिल है, जो मारुति सुजुकी की ही एक सहायक कंपनी है। यह कदम कंपनी की भारत केंद्रित रणनीति का हिस्सा है। बता दें कि मारुति सुजुकी की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन जापान ने हाल ही में अपनी नई रणनीति की घोषणा की है। इसका मुख्य कारण भारत में कंपनी का घटता मार्केट शेयर और बढ़ता हुआ ईवी सेगमेंट है। कंपनी भारत में 50 फीसदी मार्केट शेयर हासिल करना चाहती है। इसके लिए वह सालाना 40 लाख गाड़ियां बनाने की क्षमता तैयार करना चाहती है। कंपनी भारत को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में भी इस्तेमाल करना चाहती है। 2025-30 के लिए अपनी नई योजना में सुजुकी मोटर ने भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण बाजार बताया है। कंपनी ई-विटारा के साथ अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। बता दें कि मारुति सुजुकी फिलहाल भारत से हर साल 3 लाख गाड़ियां निर्यात करती है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस दशक के अंत तक यह संख्या बढ़कर 7.5 से 8 लाख यूनिट हो जाए। इसके लिए सुजुकी मोटर ने उत्पादन, नए मॉडल और क्वॉलिटी इम्प्रूवमेंट के लिए लगभग 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। 2030 तक चार नए ईवी मॉडल लॉन्च करने की योजना है। टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे प्रतिद्वंद्वियों के पास पहले से ही कई ईवी मॉडल हैं, ऐसे में मारुति भी इस सेगमेंट में तेजी से आगे बढ़ना चाहती है।

### एडोब ऐप में मिलने वाले हैं फोटोशॉप के टूल और फीचर्स

एडोब ऐप में फोटोशॉप के टूल और फीचर्स मिलने वाले हैं। फोटो एडिटिंग और डिजाइन टूल के लिहाज से ये बेस्ट ऑप्शन साबित होता है। एडोब ने अपनी पॉपुलर ऐप का मोबाइल वर्जन जारी कर दिया है। अब आईफोन यूजर्स को भी ये ऐप मिलने वाली है। पहले भी ये ऐप उपलब्ध थी, लेकिन ये डेस्कटॉप वर्जन था। लेकिन अब एडोब की तरफ से ऐप को स्पेशल तैयार कर दिया गया है। ऐसे में आईफोन यूजर्स के लिए ये बड़ी खबर है। खासकर ऐसे यूजर्स जो मोबाइल की मदद से कंटेंट क्रिएट करते हैं, उनके लिए ये ऐप काफी मददगार साबित होने वाली है। ऐप में फोटोशॉप के टूल और फीचर्स मिलने वाले हैं। इसमें सलेक्शन टूल, अनलिमिटेड लेयर और मास्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी मदद से इमेज और डिजाइन को अलग तरीके बनाया जा सकता है। सिलेक्ट टूल की मदद से भी इसे यूज किया जा सकता है। इसमें रिमूव, रिकलर, रिप्लेस पार्ट का भी ऑप्शन दिखाई देता है। स्पॉट रिमूवल क लिए स्पॉट हीलिंग ब्रश का इस्तेमाल किया जाता है।

# पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए मिलेगा एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन

मुंबई

पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन मिलेगा। इसके लिए फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ टाइअप करने की घोषणा की है। यूजर्स अपनी लोकल भाषा में इस फीचर के जरिए रियल टाइम इन्फॉर्मेशन और फाइनेंशियल इनसाइट्स एक्सेस कर सकेंगे। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। कंपनी का कहना है कि इस फीचर से यूजर्स की फाइनेंशियल लिट्रेसी बढ़ेगी।

यूजर्स बैंकिंग, निवेश, खर्च से जुड़े विषयों की जानकारी आसानी से पा सकेंगे। इससे उन्हें फाइनेंस से जुड़े डिसीजन लेने में मदद मिलेगी। वहीं पेरप्लेक्सिटी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने कहा कि यह तकनीक लोगों को रियल-टाइम में भरोसेमंद जानकारी देने में मदद करेगी। आईआईटी ग्रेजुएट ने 2022 में बनाया परप्लेक्सिटी परप्लेक्सिटी यूएस बेस्ड एआई सर्च इंजन स्टार्टअप कंपनी है। आईआईटी मद्रास से ग्रेजुएट अरविंद श्रीनिवास ने 2022 में परप्लेक्सिटी को बनाया था। अरविंद श्रीनिवास ओपन एआई में एआई रिसर्चर के तौर पर भी काम कर चुके हैं। गूगल सर्च के कॉम्पिटिटर परप्लेक्सिटी ने हाल ही में 500 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की थी।

इससे पहले कंपनी ट्रिपएडवाइजर के साथ भी इसी तरह का टाइअप कर चुकी है। पेटीएम को एफवाय25क्यू3 में रुपए 208 करोड़ का लॉस पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में नेट लॉस 208 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में पेटीएम का घाटा 220 करोड़ रुपए था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 36 प्रतिशत गिरकर 1,828 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, क्यू3एफवाय24 में यह 2,850 करोड़ रुपए था। 2024 की शुरुआत में, आरबीआई ने पेटीएम ऐप पर नए यूपीआई यूजर्स जोड़ने के लिए पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर रोक लगा दी थी। नियमों का पालन नहीं करने पर ये रोक लगी थी।

# ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र में बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करने के बाद बंद हुए। एशियाई बाजारों में चौतरफा दबाव बना हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा एक बार फिर 4 मार्च से ही मेक्सिको और कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान करने के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के मुताबिक 4 मार्च से ही चीन पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगना शुरू हो जाएगा। गुरुवार को ट्रंप के ऐलान के बाद अमेरिकी बाजार में भगदड़ की स्थिति बन गई, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक धराशाई हो गए।

एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,879.80 के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 524.63 अंक यानी 2.75 प्रतिशत टूट कर 18,550.63 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 43,218.40 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,756.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,102.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 243.22 अंक यानी 1.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,550.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। वहीं ताइवान स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी 265.50 अंक यानी 1.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,385 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.79 प्रतिशत लुढ़क कर 3,890.04 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। निक्केई इंडेक्स में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 1,161.88 अंक यानी 3.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 37,094.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 2.80 प्रतिशत टूट कर 2,548.32 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 181.59 अंक यानी 2.80 प्रतिशत फिसल कर 6,303.86 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 546.60 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,171.69 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.52 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,197.20 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.89 प्रतिशत टूट कर 3,358.28 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

# डब्ल्यूटीटी ने किए नियमों में बदलाव, ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को मिलेगा गोल्ड कार्ड

बीजिंग

**वर्ल्ड टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) ने शुक्रवार को अपनी हैंडबुक में बड़े बदलाव किए, जिसके तहत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को विशेष ओलंपिक चैंपियंस गोल्ड कार्ड प्रदान किया जाएगा।**

इस कार्ड के जरिए वे सीधे डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस में प्रवेश पा सकेंगे।

### नए नियमों के तहत:

प्रति लिंग अधिकतम पांच ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें टीम स्पर्धा के तीन, एकल के लिए एक और मिश्रित युगल के लिए एक खिलाड़ी शामिल होगा।

64-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश में तीन गोल्ड कार्ड दिए जाएंगे, जिससे शीर्ष 50 खिलाड़ियों के लिए स्वचालित प्रविष्टि अब शीर्ष 47 से 50 के बीच होगी।

32-खिलाड़ी वाले डब्ल्यूटीटी चैंपियंस के लिए शीर्ष 27 से 30 खिलाड़ियों को अब विश्व रैंकिंग के आधार पर सीधा प्रवेश मिलेगा।

### कोई ओलंपिक चैंपियन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शामिल नहीं

ग्रैंड स्मैश एकल मुख्य ड्रॉ और क्वालीफाइंग के लिए प्रवेश की समय सीमा आयोजन से पांच से छह सप्ताह पहले होगी। अगर कोई ओलंपिक चैंपियन वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शामिल नहीं है, तो उन्हें उनकी अंतिम सक्रिय रैंकिंग के आधार पर वरीयता दी जाएगी। इसके अलावा, डब्ल्यूटीटी ग्रैंड स्मैश, डब्ल्यूटीटी फाइनल, डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर और डब्ल्यूटीटी कंटेंडर प्रतियोगिताओं की न्यूनतम पुरस्कार राशि भी बढ़ाई जाएगी। ये सभी बदलाव 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे, और डब्ल्यूटीटी चैंपियंस इंचियोन (1-6 अप्रैल) इस नए नियम को लागू करने वाला पहला टूर्नामेंट होगा।

## न्यूज़ ब्रीफ

### जोशुआ चेप्टेगी टोक्यो मैराथन में लेंगे हिस्सा, मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद

**कंपाला।** युगांडा के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी 2 मार्च को टोक्यो मैराथन में अपनी चुनौती पेश करेंगे। 5,000 मीटर और 10,000 मीटर में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुके चेप्टेगी इस मैराथन में अच्छे प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे।चेप्टेगी ने सिन्हुआ से बातचीत में कहा, मैंने पिछले साल वेलेंसिया मैराथन में पदार्पण किया था और 37वें स्थान पर रहा था। अब मैं बेहतर स्थिति में हूं और अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करता हूं। उन्होंने बताया कि वह पिछले कुछ महीनों से गहन प्रशिक्षण में जुटे हुए हैं। चेप्टेगी के साथ युगांडा के स्टीफन किस्सा भी टोक्यो मैराथन में उतरेंगे। किस्सा ने 2022 हैम्बर्ग मैराथन में 2:04:48 का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने कहा, मैं शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हूं और इस प्रतियोगिता को लेकर उत्साहित हूं। हालांकि, युगांडा की इस जोड़ी को कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। गत चैंपियन केन्या के बेन्सन किप्रुटो और इथियोपिया के डेरेसा गेलेटा भी खिताब के दावेदारों में शामिल हैं। गौरतलब है कि टोक्यो मैराथन 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयन परीक्षण के रूप में भी कार्य करेगा, जिससे इस प्रतिस्पर्धा का महत्व और बढ़ गया है।

### रिजवान बोले, फखर और अयूब के नहीं होने से हारे

**रावलपिंडी।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूर्नामेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरुआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया। रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं। हम मानते हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया पर वादा करते हैं कि हम और कड़ी मेहनत कर विश्वस्तर पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा अयूब और फखर के नहीं होने से टीम का संतुलन खराब हो गया। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे जिससे टीम संतुलित थी पर इनके बाहर होने से हालात विपरीत हो गये।

### रोहित अब परिपक्तव कप्तान बन गए हैं : धवन

**दुबई।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। धवन ने कहा कि रोहित अब एक परिपक्तव कप्तान बन गए हैं। रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा है कि रोहित को पता है कि दबाव का कैसे सामना करना है। उन्हें पता है कि किसी प्रकार से दबाव बीच आक्रामक और रक्षात्मक रुख के बीच संतुलन बनाना है। रोहित के सलामी जोड़ीदार रहे धवन ने कहा कि वह पिछले एक दशक से अधिक समय में हर प्रकार के दौर से गुजरा है। वह जानता है कि दबाव की स्थिति में कैसे काम करना है है। एक नेता के रूप में वह परिपक्व हो गया है। वह जानता है कि कब उदार होना है और कब पीछे हटना है। यह एक अच्छा संतुलन है और लड़कों के साथ रोहित का रिश्ता काफी अच्छा है। धवन ने उस समय को याद किया जब उन्होंने 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार रोहित के साथ पारी की शुरुआत की थी और खुलासा किया कि रोहित को सलामी बल्लेबाज के रूप में बढ़ावा देने का विचार उस समय कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी का था। सलामी जोड़ी का फैसला उस मैच से आधे दिन पहले किया गया था। उस समय मैं भी नया था। मैं वापसी कर चुका था और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत थी। लेकिन धोनी ने यह फैसला लिया और रोहित को पारी शुरु करने को कहा। इसलिए मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा।

# अ.भा. गोल्ड कप फुटबाल स्पर्धा : राजमोहल्ला के अनिकेत के नाम पहली हैट्रिक ; स्पोर्टिंग युनियन उलटफेर का शिकार

### इन्दौर स्पोर्ट्स व यंग आदिवासी ने रोमांचक जीत दर्ज की

इन्दौर

**सेंट्रल जिमखाना क्लब द्वारा प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन की स्मृति में 30वीं अखिल भारतीय मोयरा गोल्ड कप फुटबाल स्पर्धा में पहली हैट्रिक अनिकेत तरोड़े के नाम रही। उनके तीन गोलों की बदौलत राजमोहल्ला इलेवन ने आनंद इलेवन को 3-0 से पराजित किया। वहीं शहर की सशक्त टीमों में से एक स्पोर्टिंग युनियन को उलटफेर का सामना करना पड़ा। उसे डे बोर्डिंग ने टाईब्रेकर में हराया। वहीं इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब व यंग आदिवासी ने भी रोमांचक जीत दर्ज की।**

स्पर्धा सयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि नेहरू स्टेडियम मैदान पर मोयरा सरिया, खेल एवं युवक कल्याण विभाग म.प्र. एवं इन्दौर नगर पालिक निगम द्वारा प्रायोजित इस प्रतिष्ठित अ.भा. फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिदिन रोचक मुकाबले देखने को मिल रहे है। प्रतियोगिता के पांचवें दिन का सबसे रोचक मुकाबला राजमोहल्ला इलेवन और आनंद इलेवन के मध्य खेला गया, जिसमें हाफ टाइम तक दोनों ही टीमों ने जोरदार खेल दिखाया और कोई गोल नहीं होने दिया। लेकिन हॉफ टाईम के बाद राजमोहल्ला के लिए अनिकेत तरोड़े ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए लगातार तीन गोल कर टीम को तो जीत दिलाई ही, स्पर्धा की पहली हैट्रिक भी बनाई। अनिकेत ने 50वें, 58वें और 60वें मिनट में गोल किए। दो गोल करने में वर्धन सेंगर की भी अहम भूमिका रही।

एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले में डे बोर्डिंग ने स्पोर्टिंग युनियन को रोमांचक मुकाबले में हराकर बड़ा उलटफेर किया। निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें कोई गोल नही कर सकी थी। परिणाम के लिए टाईब्रेकर का सहारा लेना पड़ा, जिसमें डे बोर्डिंग की टीम 4-3 से विजयी रही। अन्य मुकाबलों में इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब ने आदिवासी एकेडमी को रोमांचक अंदाज में 2-1 से हराया। इन्दौर स्पोर्ट्स के लिए 5वें मिनट में ही महेंद्र चौहान ने सुंदर मैदानी गोल दागा। जवाब में आदिवासी एकेडमी के लिए 27वें मिनट में निलेश सिंगार ने गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। हॉफ टाइम तक दोनों टीमें 1-1 गोल की बराबरी पर थी। दूसरे हॉफ में 50वें मिनट में अक्षय कौशल ने गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। और इसके बाद आदिवासी की टीम कोई बराबरी का गोल नहीं कर सकी।

एक अन्य मुकाबले में यंग आदिवासी ने यंग एस.एफ. बायज को टाईब्रेकर में 5-3 से पराजित किया। दोनों ही टीमें निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं कर सकी थी। टाईब्रेकर में यंग आदिवासी को स्ट्राइकरों ने जोरदार खेल दिखाया और सभी पेनल्टी गोल में तब्दील कर जीत हासिल की।

मुकाबलों के दौरान प्रिंसपाल टोंग्या, राजकुमार अग्निहोत्री ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर रमेश मूलचंदानी, संजय लुणावत, भारत मथुरावाला, केके गोयल, महेश दलोद्रा, जितेंद्र गर्ग, विष्णु बिंदल, अरविंद तिवारी उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अतुल अग्रवाल, रमेश खंडेलवाल, पवन सिंघल, पारस जैन, मुनेश सोनकर, जमना सिलावट, नारायण खरबड़ीकर, शेख हमीद ने किया।

#### मुकाबले

- 1. मालवा युनाइटेड वि. आदिवासी युनाइटेड
- 2. एस.एफ. बायज वि. इन्दौर स्पोर्ट्स क्लब
- 3. चैलेंजर्स युनाइटेड इन्दौर वि. साईधाम युनाइटेड महू।

# इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास का अवसर देगा बीसीसीआई

BCCI

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को इस दौर पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की तैयारी का अवसर भारतीय बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल के दौरान देगा। अभी भारतीय टीम दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेल रही है। इसके बाद वह आईपीएल खेलेगी। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने सफेद गेंद वाली क्रिकेट खेली है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट, लाल गेंद के प्रारूप से जुड़े रहने के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। ऐसी संभावना है कि खिलाड़ियों को लाल गेंद के अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड का दौरा अहम है। वहीं जो टीमें आईपीएल में आगे नहीं जाएंगी उनमें शामिल टेस्ट खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए कहा जाएगा। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा। इसके करीब 25 दिन बाद से भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

### दिल्ली कैपिटल्स ने पीटरसन को बनाया मेंटर

**नई दिल्ली ।** आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को मेंटन बनाया है। यह पहली बार होगा जब पीटरसन किसी क्रिकेट टीम के साथ सहायक स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। पीटरसन अब डीसी कोचिंग स्टाफ में मुख्य कोच हेमांग बदानी, क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल और सहायक कोच मैथ्यू मोट के साथ काम करेंगे। वह पहली बार किसी टीम से जुड़ हैं। इससे पहले व कमेंट्री करते रहे हैं। पीटरसन ने आईपीएल 2012 और 2014 में डीसी की ओर से खेला था। इसमें उन्होंने 305 और 294 रन बनाए थे। उन्होंने 17 मैचों में फ्रेंचाइजी की कप्तानी भी की थी।

### पाक फुटबॉल महासंघ ने फीफा संशोधनों को दी मंजूरी, निलंबन हटने की उम्मीद

पाकिस्तान फुटबॉल महासंघ (पीएफएफ) ने गुरुवार को फीफा द्वारा प्रस्तावित संवैधानिक संशोधनों को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। फीफा ने 6 फरवरी को पीएफएफ द्वारा चुनावी सुधारों को खारिज करने के बाद पाकिस्तान पर आठ साल में तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय निलंबन लगाया था। लाहौर में आयोजित असाधारण कांग्रेस में पीएफएफ ने 23-0 के मतों से संशोधनों को मंजूरी दी। इस बैठक में फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अधिकारी भी उपस्थित थे। पीएफएफ ने एक बयान में कहा, कांग्रेस सदस्यों ने पाकिस्तान फुटबॉल के सर्वोत्तम हित में फीफा द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया, जिससे फीफा का निलंबन हटने की उम्मीद के बाद एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हो गया। पाकिस्तान को उम्मीद है कि 2027 एशियाई कप क्वालीफायर में 25 मार्च को सीरिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले निलंबन हटा लिया जाएगा। एएफसी ने पीएफएफ से कहा है कि प्रतिबंध मंगलवार तक समाप्त हो जाना चाहिए, ताकि टीम क्वालीफायर में हिस्सा ले सके।

# डब्ल्यूपीएल : गार्डनर के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

बेंगलुरु

कप्तान एश्ले गार्डनर के शानदार अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर गुजरात ने आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को गुजरात ने 17 ओवरों में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

गुजरात की ओर से गार्डनर ने 58 जबकि लिचफील्ड ने 30 रन बनाए। आरसीबी की ओर से रेणुका ठाकुर और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 25 रनों पर ही 3 विकेट खो दिए। कप्तान स्मृति मंधाना भी 10 रन ही बना पायीं।

वहीं डैनी व्याट केवल 4 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। एलिस पेरी भी शून्य पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद राघवी बिष्ट ने 22 और कनिका अहुजा ने 33 रन बनाकर स्कोर 70 रनों के ऊपर पहुंचाया। ऋचा घोष ने 9 रन बनाये। जॉर्जिया वेयरहम ने 20 और किम गार्थ ने 14 रन बनाकर स्कोर किसी प्रकार 125 रनों तक पहुंचाया। वहीं गुजरात की ओर से डिएंड्रा डॉटिन और तनुजा कंवर ने 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया। एश्ले गार्डनर और काशवी गौतम को 1-1 विकेट मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजराज ने 17वें ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। उसने 66 रनों पर ही तीन विकेट हो दिये। बेथ मूनी 17, दयालन हेमलता 11 और हरलीन देओल 5 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इसके बाद गार्डनर ने फिर फीब लिचफील्ड के साथ पारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाय। गार्डनर और लिचफील्ड के बीच 51 रन की साझेदारी हुई। गुजरात को इस सत्र में अपनी दूसरी जीत मिली है। इस प्रकार टीम चार अंक लेकर तालिका में 5वें नंबर पर है।

# दानी सेबलोस चोटिल, दो महीने तक मैदान से रह सकते हैं बाहर

मैड्रिड

रियल मैड्रिड के मिडफील्डर दानी सेबलोस को कोपा डेल रे में रियल सोसिदाद के खिलाफ 1-0 की जीत के दौरान मांसपेशियों में चोट लगी है। क्लब ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की।

मैच के दूसरे हाफ में सेबलोस की टक्कर घरेलू खिलाड़ी टेक कुबो से हुई, जिसके बाद वह दर्द से कराहते हुए मैदान से बाहर चले गए। रियल मैड्रिड ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बताया, मेडिकल परीक्षणों में सेमीमेम्ब्रानोसस मांसपेशी में चोट पाई गई है, जो उनके बाएं हैमस्ट्रिंग के टेंडन को प्रभावित कर रही है। उनकी रिकवरी की अवधि का आकलन किया जाएगा।

हालांकि क्लब ने ठीक होने की निश्चित समय-सीमा नहीं दी, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेबलोस को कम से कम दो महीने तक बाहर रहना पड़ सकता है। इस चोट के कारण वह चैंपियंस लीग के अंतिम-16 मुकाबले, संभावित क्वार्टर फाइनल, कई ला लीगा मैचों और कोपा डेल रे सेमीफाइनल के रिटर्न लेग से चूक सकते हैं।

सेबलोस ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए लिखा, जिस समय मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में था, उसी समय यह झटका लगना दुखद है। फुटबॉल आसान या निष्पक्ष नहीं है, लेकिन मुझे मजबूती से इसका सामना करना होगा। मैं इससे भी कठिन दौर से वापसी कर चुका हूं।

28 वर्षीय सेबलोस, जो पूर्व में रियल बेटिस और आर्सेनल के लिए खेल चुके हैं, हाल के हफ्तों में कार्लो एंसेलोटी की टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। 2017 में क्लब में शामिल होने के बाद से वह अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे, ऐसे में यह चोट रियल मैड्रिड के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकती है।

### डोपिंग प्रतिबंध के चलते जानिक सिनर का लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर नामांकन रद्द

**पेरिस।** लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए इतालवी टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर का नामांकन वापस ले रही है। यह फैसला विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा लगाए गए तीन महीने के निलंबन के बाद लिया गया है। अकादमी ने नामांकन पैनल को भेजे गए ईमेल में स्पष्ट किया कि निलंबन के कारण सिनर अब इस पुरस्कार के लिए योग्य नहीं हैं। वाडा ने इस महीने की शुरुआत में खुलासा किया था कि मार्च 2024 में क्लोस्टेबोल के लिए सिनर का डोप टेस्ट पॉजिटिव आया था। इसके बाद, उन्होंने एक केस रिज़ॉल्यूशन समझौते में प्रवेश किया और तीन महीने के प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन नहीं किया और इससे उनके प्रदर्शन में कोई सुधार नहीं हुआ। बावजूद इसके, एथलीट अपने सहायक कर्मियों के कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2025 के लिए नामांकित व्यक्तियों की पूरी सूची 3 मार्च को घोषित की जाएगी।

# नाड़ी शोधक प्राणायाम है अनुलोम विलोम

**अनुलोमविलोम** प्राणायाम में सांस लेने व छोड़ने की विधि को बार-बार दोहराया जाता है। इस प्राणायाम को नाड़ी शोधक प्राणायाम भी कहते है। अनुलोम-विलोम को रोज करने से शरीर की सभी नाड़ियों स्वस्थ व निरोग रहती है। इस प्राणायाम को हर उम्र के लोग कर सकते हैं। वृद्धावस्था में अनुलोम-विलोम प्राणायाम योगा करने से गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें दूर होती हैं।

## विधि

दरी व कंबल स्वच्छ जगह पर बिछाकर उस पर अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। फिर अपने दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से सांस अंदर की ओर भरे और फिर बाईं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। उसके बाद दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और सांस को बाहर निकालें। अब दाईं नासिका से ही सांस अंदर की ओर भरे और दाईं नाक को बंद करके बाईं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें। इस क्रिया को पहले 3 मिनट तक और फिर धीरे-धीरे इसका अभ्यास बढ़ाते हुए 10 मिनट तक करें। 10 मिनट से अधिक समय तक इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए। इस प्राणायाम को सुबह-सुबह खुली हवा में बैठकर करें।

## लाभ

इससे शरीर में वात, कफ, पित्त आदि के विकार दूर होते हैं। रोजाना अनुलोम-विलोम करने से फेफड़े शक्तिशाली बनते हैं। इससे नाड़ियां शुद्ध होती हैं जिससे शरीर स्वस्थ, कांतिमय एवं शक्तिशाली बनता है। इस प्राणायाम को रोज करने से शरीर में कॉलेस्ट्रोल का स्तर कम होता है। अनुलोम-विलोम करने से सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों में काफी आराम मिलता है। अनुलोम-विलोम से हृदय को शक्ति मिलती है। इस प्राणायाम के दौरान जब हम गहरी सांस लेते हैं तो शुद्ध वायु हमारे खून के दूषित तत्वों को बाहर निकाल देती है। शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों में जाकर उन्हें पोषण प्रदान करता है। अनुलोम-विलोम प्राणायाम सभी आयु वर्ग के लोग कर सकते हैं और सुविधानुसार इसकी अवधि तय की जा सकती है।

**सावधानियां** कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगियों को इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने व छोड़ने में थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। कुछ लोग समय की कमी के चलते जल्दी-जल्दी सांस भरने और निकालने लगते हैं। इससे वातावरण में फैला धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते है। प्राणायाम के दौरान सांस की गति इतनी सहज होनी चाहिए। प्राणायाम करते समय स्वयं को भी सांस की आवाज नहीं सुनाई देनी चाहिए।

# आपकी आवाज से आप तक पहुंचेगा सामान

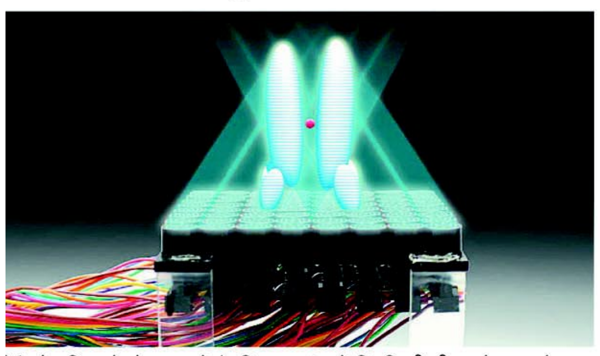

...से तो दुनिया में बोझा उठाने के लिए या यूं कहें कि किसी चीज को इधर से उधर ...हुंचाने के लिए शारीरिक कष्ट देना पड़ता या किसी की चीज की सहायता से कोई ...भी वस्तु इधर से उधर पहुंचाई जाती है लेकिन वैज्ञानिकों ने इसका भी हल ढूंढ लिया ...। अब आपकी कई वस्तु किसी चीज की सहायता से नहीं बल्कि आपकी आवाज ...से इधर से उधर पहुंच जाएगी। जानकारी के अनुसार वैज्ञानिकों ने एक अनूठी ...सोनिक ट्रैक्टर बीम का विकास किया है जो ध्वनि तरंगों का उपयोग कर वस्तुओं को ...उठाने और एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में सक्षम होगा। इस खोज में भारतीय ...मूल का एक वैज्ञानिक भी शामिल है। अनुसंधानकर्ताओं ने जो ट्रैक्टर बीम विकसित ...किया है वह एक ध्वनिक होलोग्राम उत्पन्न करने के लिए उच्च क्षमता के ध्वनि तरंगों ...का इस्तेमाल करता है जो छोटी वस्तुओं को उठाने और एक स्थान से दूसरे स्थान ...तक ले जाने में सक्षम होता है। ट्रैक्टर बीम का अभिप्राय एक ऐसे उपकरण से है जो ...शारीरिक संपर्क के बगैर किसी भी वस्तु को खींच लेता है। विज्ञान कथा लेखकों की ...रचनाओं और स्टार ट्रेक जैसे प्रोग्रामों में सामान को पकड़ने, उठाने और एक जगह ...से दूसरी जगह ले जाने के लिए ट्रैक्टर बीम की अवधारणा का उपयोग किया गया है ...जिससे वैज्ञानिक और इंजीनियर बहुत हद तक प्रभावित हुए।

# इन कपल के शौक भी अजीबोगरीब

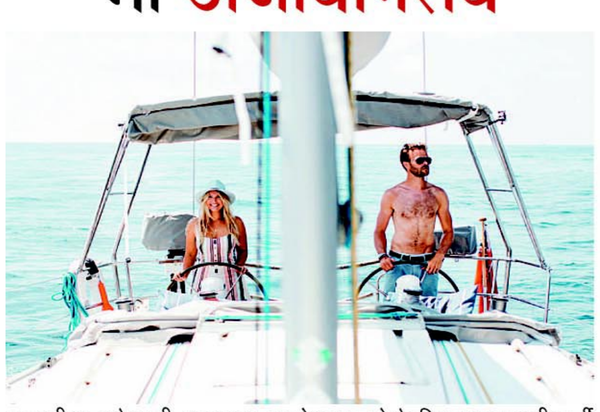

**समुद्र** की यात्रा के भारी-भरकम बजट को पूरा करने के लिए 29 साल की चार्ली ...रैमथ और 34 साल के उसके मंगेतर केटन ने अपना घर बेचने का फैसला किया ...और अपनी शादी के प्लान को भी ठंडे बस्ते में डालने के साथ ही अपनी नौकरी भी ...छोड़ दी। अपने सपने को जीने के लिए 29 साल की चार्ली स्मिथ मॉडल और ...आईटीवी रीजनल वेदर प्रजेंटर थी। वहीं, केटन आर्किटेक्चर डिजाइनर रहे है। अब ...इस कपल ने फैसला किया कि वो अपना समुद्र की लहरों पर चलते हुए दुनिया घूमने ...का सपना पूरा करेंगे। हालांकि, इससे पहले उन्होंने कभी नाव में सफर नहीं किया ...था और उन्हें नौकायन का कोई खास अनुभव भी नहीं था। वे इस साल मई में जर्सी ...में अपने घरों को छोड़कर नई जिंदगी की तलाश में लहरों के सफर पर निकल पड़े। ...अभी तक वे पश्चिम में मेडिटेरिएन, फ्रांस, स्पेन, इटली, इल्बा, कोर्सिका, सार्डिनिया ...और बेलिएरिक द्वीप समूह में घूम चुके हैं। इस दौरान उन्होंने यूरोप में कई खूबसूरत ...समुद्री स्थानों को देखा। चार्ली ने बताया कि वे दोनों घंटों तक कॉकपिट पर बैठे रहते ...हैं और कई बातों पर चर्चा भी करते हैं।

## अबकी बार गोवा गए तो क्या पता क्लब में ही मिल जाए 'फेनी'

गोवा की दो चीजें बहुत मशहूर हैं, एक समुद्री तट यानी बीच और दूसरी वहां की लोकल और लोकप्रिय शराब फेनी। अगर आप अक्सर गोवा जाते रहते हैं और फेनी आपको बहुत पसंद है, तो आपके लिए ये अच्छी खबर साबित हो सकती है। कौन जाने कि कुछ दिनों बाद जब आप गोवा की ट्रिप पर जाएं, तो आपको फेनी के लिए कहीं बाहर जाने की जरूरत ही न हो। गोवा की लोकप्रिय 'फेनी' क्लब और पार्टियों में पी जाने वाली एक प्रमुख शराब बन सकती है यदि इसे थोड़े बेहतर स्वाद के साथ बनाया जाए। फेनी से जुड़े हितधारक आजकल इसी मुहीम में लगे हैं।

## क्या है सिरदर्द

सिरदर्द से तात्पर्य है सिर के एक या एक से अधिक हिस्सों में और साथ ही गर्दन के पिछले भाग में हल्की या तेज पीड़ा हो सकती है। सुबह के वक्त सिरदर्द किसी गंभीर बीमारी की तरफ इशारा नहीं करते, ये आपकी अनियमित दिनचर्या का हिस्सा हो सकते हैं। आमतौर पर सिरदर्द को माइग्रेन, तनाव और क्लस्टर की तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। इससे जुड़ी खास बात यह है कि जितने अधिक लोग इससे पीड़ित हैं, उतनी ही अधिक इसके दर्द को नजरअंदाज करने वालों की संख्या भी है। कुल 5 करोड़ पीड़ित लोगों में से केवल 2 प्रतिशत ही माइग्रेन के उपचार के लिए डॉक्टर से संपर्क करते हैं।

# गर्भवती हैं तो अंगूर और पपीता न खाएं

**गर्भावस्था** में क्या खाए जाए से जरूरी यह जानना है कि क्या न खाया जाए। घर-परिवार की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव के आधार पर यह राय देती रहती हैं।

चलिए जानते हैं कि गर्भावस्था में कौन सी सब्जियों और फलों से परहेज करना चाहिए। आइए जानें, गर्भवस्था के दौरान कौन-कौन से फल और सब्जियां न खाएं। गर्भावस्था के दौरान इन फलों के सेवन बचें

## पपीता खानें से बचें

कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान पपीता ना खाएं। पपीता खाने से प्रसव जल्दी होने की संभावना बनती है। पपीता, विशेष रूप से अपरिपक्व और अर्द्ध परिपक्व लेटेक्स जो गर्भाशय के संकुचन को ट्रिगर करने के लिए जाना जाता है को बढ़ावा देता है। गर्भावस्था के तीसरे और अंतिम तिमाही के दौरान पका हुआ पपीता खाना अच्छा होता हैं।

पके हुए पपीते में विटामिन सी और अन्य पौष्टिक तत्वों की प्रचुरता होती है, जो गर्भावस्था के शुरूआती लक्षणों जैसे कब्ज को रोकने में मदद करता है। शहद और दूध के साथ मिश्रित पपीता गर्भवती महिलाओं के लिए और विशेष रूप से स्तनपान करा रही महिलाओं के लिए एक उत्कृष्ट टॉनिक होता है।

## अनानास से बचें

गर्भावस्था के दौरान अनानस खाना गर्भवती महिला के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। अनानास में प्रचुर मात्रा में ब्रोमेलिन पाया जाता है, जो गर्भाशय ग्रीवा की नरमी का कारण बन सकती हैं, जिसके कारण जल्दी प्रसव होने की सभांवना बढ़ जाती है।

हालांकि, एक गर्भवती महिला अगर दस्त होने पर थोड़ी मात्रा में अनानास का रस पीती है तो इससे उसे किसी प्रकार का नुकसान नहीं होगा। वैसे पहली तिमाही के दौरान इसका सेवन ना करना ही सही रहेगा, इससे किसी भी प्रकार के गर्भाशय के अप्रत्याशित घटना से बचा जा सकता है।

## अंगूर से बचें

डॉक्टर गर्भवती महिलाओं को उसके गर्भवस्था के अंतिम तिमाही में अंगूर खाने से मना करते है। क्योंकि इसकी तासिर गरम होती है। इसलिए बहुत ज्यादा अंगूर खाने से असमय प्रसव हो सकता हैं। कोशिश करें कि गर्भावस्था के दौरान अंगूर ना खाए।

## गर्भावस्था के दौरान इन सब्जियों से बचें

गर्भवती महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह ये होती है कि वो कच्चा या पाश्चरीकृत नहीं की हुई सब्जी और फल ना खाए। साथ ही ये भी महत्वपूर्ण है कि आप जो भी खाए वो अच्छे से धुला हुआ और साफ हो। ये गर्भावस्था के दौरान आपको संक्रमण से बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। फलों और सब्जियों को गर्भावस्था आहार का एक अभिन्न अंग माना जाता है। इसलिए जम कर खाए लेकिन साथ ही इन कुछ बातों का ध्यान भी जरूर रखें, और बचें रहे गर्भवस्था के जटिलओं से।

# कैंसर रोगी के लिए फायदेमंद है एलोवेरा

**प्रकृति** ने मानव जीवन को अनेक उपहार दिए हैं। वनस्पतियों के रूप में प्राप्त ये उपहार वरदान स्वरूप हैं। प्रकृति का ऐसा ही एक औषधीय पौधा है एलोवेरा। एलोवेरा को घृतकुमारी भी कहा जाता है। इसकी पत्तियां कैंसर जैसे असाध्य रोग को मात देने का दावा करती है। एलोवेरा की खास बात है कि यह एंटीबायोटिक और एंटीसेप्टिक के रूप में काम करता है। एलोवेरा शरीर में जाकर खराब सिस्टम को ठीक करता है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता।

## कैसा होता है एलोवेरा

एलोवेरा में कई गुण है, इसमें 75 प्रतिशत पानी, 70 तरह के मिनरल, एंजाइम्स, प्रोटीन, एमिनो एसिड और विटामिन होते हैं। इस पौधे के पत्ते सीधे जमीन से ही निकलते हैं। यह 2 से 3 फीट लम्बे और 3 से 4 इंच चौड़े होते हैं। इसके दोनों ओर नुकीले कांटे होते हैं। इसके पत्ते गहरे हरे रंग के मोटे, चिकने और गूदेदार होते हैं। जिन्हें काटने या छीलने पर पीले रंग का तरल (जैल) निकलता है। इसलिए इस पौधे को घृतकुमारी व घी ग्वार भी कहा जाता है।

## कैंसर में फायदेमंद है एलोवेरा

एलोवेरा की पत्तियों का इस्तेमाल औषधि के साथ-साथ सौंदर्य प्रसाधनों में भी किया जाता है। अगर कैंसर व सोराइसिस के मरीज तीन माह तक एलोवेरा का जूस पीएं तो इसका उनके शरीर पर अच्छा असर देखने को मिलता है। एलोवेरा में कैंसररोधी तत्व पाए जाते हैं जो कि कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। कैंसर रोगियों के लिए रोज सुबह शाम 50 ग्राम एलोवेरा का जूस पीना लाभकारी होता है। एलोवेरा के जूस का नियमित सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इससे कैंसर ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।

इस दौरान रोगी को केला, पपीता, अंकुरित चना व हरी सब्जियां ले सकते हैं। कैंसर के उपचार में आयुर्वेदिक व प्राकृतिक चिकित्सा काफी लाभदायक होती है। कैंसर जैसे असाध्य रोग में एलोवेरा जैल का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। ऐसा देखा गया है कि एलोवेरा में निहित औषध तत्व उन कैंसरग्रस्त कोशिकाओं की भी रोकथाम कर लेते है जिन्हें कीमोथैरेपी भी रोक नहीं पाती। कैंसर के इलाज में जब अंग्रेजी दवाएं काम नहीं करती तो ऐसे में एलोवेरा का सेवन अत्यंत लाभकारी होता है। ऐसे में ऐलोवेरा कैंसर के इलाज में काफी मददगार साबित होता है। सिर्फ एलोवेरा या दवाएं देने के बजाय अगर एलोवेरा और हल्की मात्रा में कैंसर रोधक दवाएं साथ-साथ दी जाएं तो कैंसर कोशिकाओं पर काफी कारगर असर पड़ता है।

# नाखून बताते हैं सेहत का हाल

**नाखून** सिर्फ सुंदर हाथों की शोभा ही नहीं बढ़ाते बल्कि आपकी सेहत का हाल भी बयां करते हैं। छोटे-छोटे तंतुओं से बने नाखूनों में पोरों के इर्द-गिर्द के क्षेत्र में उनके स्वास्थ्य का राज छिपा होता है। निम्न लिखें तमाम कारण अस्वस्थ नाखूनों के लिए जिम्मेदार होते हैं। 1 आयरन और विटामिन-बी 12 की कमी होने पर नाखून अन्दर की ओर धंस जाते हैं। 2 विटामिन-सी की कमी होने पर नाखून कटने-फटने लगते हैं। 3 धब्बे युक्त खुरदरे नाखून फोलिक एसिड, प्रोटीन की कमी या फिर रक्त संचार व्यवस्था का सही न होना दर्शाते हैं। 4 जिन लोगों की किडनी खराब होती है इसका संकेत उनके नाखूनों से ही मिल जाता है। ऐसे लोगों के नाखूनों का आधा हिस्सा औरों की तुलना में ज्यादा पीलापन लिए होता है। नाखूनों को स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने के लिए अपनाएं देसी नुस्खें 1 नाखूनों को गुनगुने दूध में भिगोएं। 2 दूध और कैल्शियमयुक्त भोजन नाखूनों को मजबूत बनाता है। 3 नाखूनों की सफाई के लिए साबुन के झाग वाले पानी में 5 मिनट तक नाखून और हाथ डुबोकर रखें। बाद में

साफ पानी से हाथ धो लें और नर्म तौलिए से हल्का थपथपाकर हाथ सुखा लें। 4 नाखूनों पर रात को ग्लिसरीन लगा कर सोएं इससे नाखूनों में होने वाला दर्द ठीक होता है। 5 विटामिन बी काम्पलैक्स नाखूनों को मजबूत बनाने में सहायक है। 6 नींबू के छिल्के को नाखूनों पर रगड़ने से नाखून साफ और चमकदार बनते हैं। 7 नाखूनों की सफाई के लिए हाइड्रोजन पैरॉक्साइड की कुछ बूंदें नाखूनों पर लगाकर रूई से अच्छी तरह पोंछ लें। गंदगी साफ हो जाएगी। 8 नींबू और नमक या नींबू और दही से नाखूनों की मालिश करें। नाखून स्वस्थ और चमकदार बनेंगे। 9 कमजोर नाखूनों को जैतून के गुनगुने तेल की मालिश करने से नाखून मजबूत बनते हैं। 10 कैल्शियम और विटामिन 'डी नाखूनों के लिए अच्छा होता है। आप सलाद और चुकंदर खाकर शरीर में इस कमी को पूरा कर सकते हैं। कुछ दिनों में पीले, बेजान नाखून सुंदर दिखने लगेंगे। 11 गुनगुने सरसों के तेल से हल्की मालिश करने से नाखूनों में लालिमा आती है।

# नवजात के नाखून होते हैं कोमल

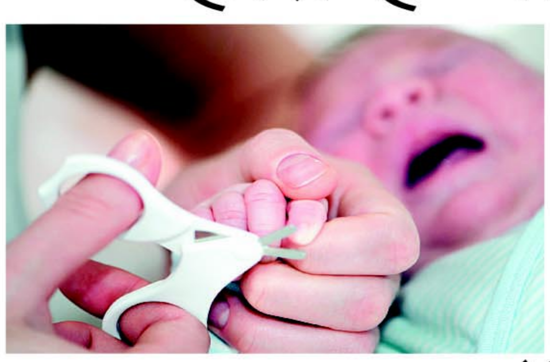

**नवजात** के नाखूनों की देखभाल करने की विशेष जरूरत हैं, क्योंकि यदि आपने इन पर ध्यान नहीं दिया तो इसमें जमा गंदगी के कारण बच्चे को संक्रमण हो सकता है। संक्रमण के कारण बच्चे का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बच्चों के नाखूनों की देखभाल के लिए जरूरी है हाथों की सही तरीके से देखभाल की जाए। नाखून बच्चे के उंगलियों के ऊपरी हिस्से के लिए सुरक्षा कवच की भांति काम करते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के नाखूनों का सही ख्याल रखें। उन्हें साफ और सही आकार में रखें।

## क्यों जरूरी है नाखून की देखभाल

- बच्चों को सही और गलत की जानकारी नहीं होती है जिसके कारण वे अक्सर नाखून चबाते हैं।
- बच्चे यदि नाखून काटेंगे तो उसमें मौजूद कीटाणुओं के संक्रमण से वे बीमार हो सकते हैं।
- बच्चे के नाखून लंबे होने से पहले काट दीजिए, नहीं तो इसके कारण वे खुद को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- बच्चे यदि बढ़े नाखूनों को मुंह से काटते हैं तो उसके कारण वे उंगलियों की त्वचा को भी नुकसान पहुंचान सकते हैं।

## नाखून और संक्रमण

नवजात को कोई भी बीमारी बहुत आसानी से हो सकती है, क्योंकि उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत कमजोर होती है। इसलिए बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए उनके नाखूनों को निश्चित समय पर काटते रहें। इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने बच्चों को नाखूनों की सही प्रकार से देखभाल करें। पालतू जानवर से खेलने, कूड़ा फेंकने और खांसने व छीकने के बाद भी बच्चों के हाथ जरूर धोएं। नवजात के हाथ केवल पानी से न साफ करें, हाथ साफ करते वक्त साबुन का प्रयोग करें। नाखूनों को छोटा रखने के लिए उन्हें काटते रहें।

## ऐसे करें नवजात के नाखूनों की देखभाल

- ऐसे नेलकटर्स का इस्तेमाल करें जो सिर्फ बच्चों के लिए बनाए गए हों।
- नवजात शिशु के नाखून बहुत ही जल्दी बढ़ते हैं और इन्हें हफ्ते में कम से कम दो बार जरूर काटना चाहिए।
- नेल फाइल के सहारे नाखून के नुकीले किनारों को समतल बनाने की कोशिश करें।
- नवजात के नाखूनों को तभी काटें जब बच्चा सो रहा हो।
- नवजात के नाखून काटते वक्त ध्यान रखें, जिससे की बच्चे की त्वचा को किसी भी प्रकार की क्षति ना होने पाए।
- अंगूठे को नाखून को काटते वक्त विशेष ध्यान रखें, क्योंकि अन्य उंगलियों की तुलना में वह थोड़ा सख्त होती है।
- नवजात के नाखूनों के अलावा हाथों की देखभाल पर विशेष ध्यान दीजिए। नवजात के हाथों को साफ करते वक्त सेनेटाइजर का प्रयोग कीजिए। बच्चों का नेलकटर चुनने में यदि आपको परेशानी हो रही हो तो चिकित्सक से सलाह कीजिए।

## रेसिपी

### मसाला बाटी

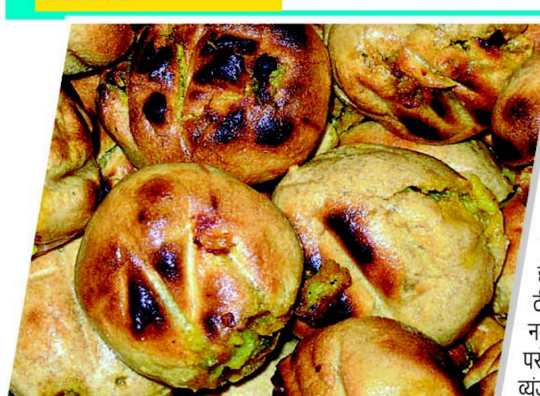

**सामग्री**

1 कप दरदरा गेहूं का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/4 कप पिघला हुआ घी, 1/2 कप दूध, नमक स्वादअनुसार, 1 कप उबले और दरदरे क्रश किए हुए हरे मटर, 1 1/2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा,1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 टी-स्पून धनिया पाउडर, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, घी, तलने के लिए, परोसने के लिए, पिघला हुआ घी, 1 व्यंजन विधी दाल, 1 व्यंजन विधी चुरमा

**विधि**

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, बिना पानी का प्रयोग किए सख्त आटा गूंथ लें। 3-4 मिनट तक अच्छी तरह गूंथते रहें। 20 मिनट के लिए रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में तेल गरम करें और जीरा और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, हरे मटर, अदरक- हरी मिर्च का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए, 2-3 मिनट तक पका लें। आंच से हटाकर भरवां मिश्रण को पुरी तरह से ठंडा होने के लिए रख दें। भरवां मिश्रण को 10 भाग में बांट लें और एक तरफ रख दें।

### छेना मालपुवा

**सामग्री**

4 1/2 कप वसा भरपूर दूधर 1 1/2 टेबल-स्पून नीबू का रसर 1 1/4 कप शक्कर मालपुवे के लिए 1 कप छेना (व्यंजन विधी उपर देखें)र एक चुटकी जायफल पाउडर 1 1/2 टेबल-स्पून कोर्नफ्लोर, केसर के कुछ लच्छे रि, तलने के लिए सजाने के लिए 1 टेबल-स्पून बादाम की कतरन,1 टेबल-स्पून पिस्ता की कतरन

**विधि**

एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में दूध गरम करें, नीबू का रस डालकर हल्के हाथों मिला लें। दूध फटकर पानी अलग हो जाएगा। यह पानी पार्दर्शी होना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो कि दूध पुरी तरह फट गया है। 3 से 4 मिनट तक रख दें। छन्नी से सारा पानी छान लें और छेना को 10-15 मिनट के लिए रखकर, सारा पानी निकलने दें। छेना को प्लेट में निकाल लें और हल्के हाथों मलते हुए नरम बना लें, इस बात का ध्यान रखें कि बहुत जोर से ना मलें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में शक्कर और 1 कप पानी को अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। आंच से हटाकर एक तरफ रख दें। सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर आटा गूथ लें। आटे को 10 भाग में बांट लें। एक समतल जगह पर गीला सूती कपड़े का छोटा टुकड़ा रखें, आटे के 1 भाग को बीच में रखकर दुसरे गीले कपड़े के टुकड़े से ढक दें। गीले हाथों से फैलाकर 75 मिमी। व्यास के गोल आकार में बना लें। एक कम गहरी कढ़ाई में घी गरम करें और मालपुवा डालकर, मध्यम आंच पर उनके दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। मालपुवा को निकालकर चाश्नी में तुरंत डालें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)